आखर साथी

एकीकृत ब्रिज प्रवेशिका

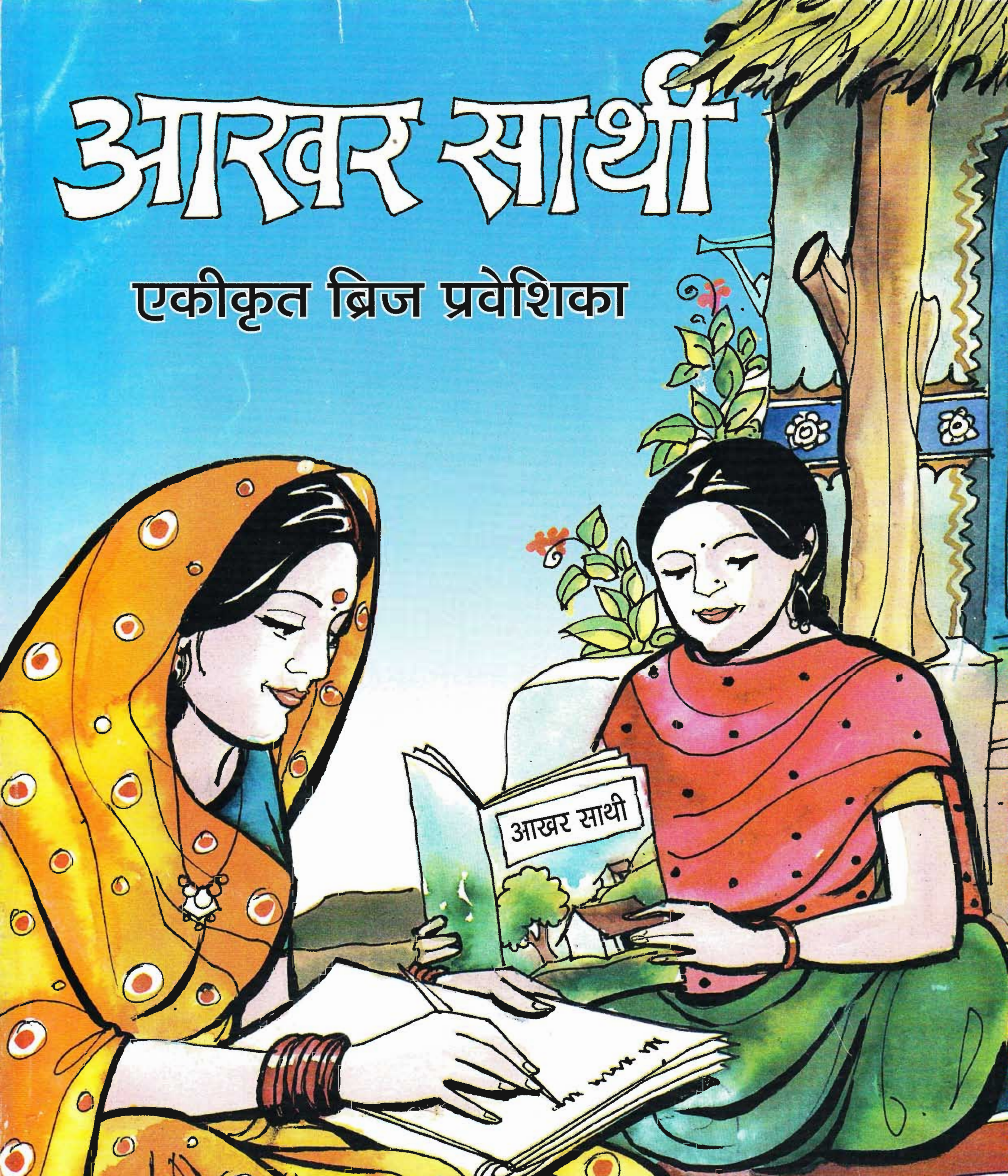

साक्षर भारत

राज्य संसाधन केन्द्र, प्रौढ़ शिक्षा, इंदौर, म.प्र.

आखर साथी

एकीकृत ब्रिज प्रवेशिका

साक्षर भारत कार्यक्रम हेतु

संस्करण : प्रथम, 2010
प्रतियाँ : 2000

© **सर्वाधिकार सुरक्षित**
इस पुस्तक पर पूर्ण स्वामित्व
राज्य संसाधन केन्द्र, प्रौढ़ शिक्षा, इंदौर, म.प्र.
का है। इसका पूर्ण/आंशिक रूप से मुद्रण, पुनः मुद्रण केन्द्र निदेशक की लिखित अनुमति के बिना करना पूर्णतः वर्जित है।

प्रकाशक : **राज्य संसाधन केन्द्र, प्रौढ़ शिक्षा**
भारतीय ग्रामीण महिला संघ,
महालक्ष्मी नगर, सेक्टर आर, इंदौर-452010, म.प्र.
फोन- 2551917, 2574104 फैक्स- 0731-2551573
e-mail: srcmpindore@gmail.com
Web: www.srcindore.org

मार्गदर्शन : **श्रीमती अंजली अग्रवाल**
निदेशक (प्र.), राज्य संसाधन केन्द्र, इंदौर

सुश्री कुंदा सुपेकर
पूर्व निदेशक, राज्य संसाधन केन्द्र, इंदौर

सम्पादन : **श्रीमती तारा जायसवाल**, कार्यक्रम समन्वयक
श्रीमती सीमा व्यास, कार्यक्रम सहायक
श्रीमती सुषमा दुबे, सहायक संपादक

कार्यशाला के प्रतिभागी :

- श्रीमती मंगला रामचन्द्रन
- श्री गोपाल माहेश्वरी
- श्रीमती सुरेखा अन्वेकर
- श्रीमती नीता श्रीवास्तव
- श्रीमती रागिनी सिंह
- श्री गोविन्द सेन
- श्री प्रमोद त्रिवेदी 'पुष्प'
- श्रीमती विभा नरगुन्दे
- श्री सिद्धार्थ जैन
- श्रीमती नियति सप्रे
- श्रीमती साधना भाया
- श्रीमती रेखा टेलर
- श्रीमती कुमुद मारू
- श्री विनायक बड़ोदिया

चित्रांकन :
- श्री दीपक मालवी
- श्री इस्माइल लहरी

डिजाइनिंग :
- श्री जाकिर हुसैन

आमुख

शिक्षा एवं साक्षरता किसी देश के विकास के लिए आवश्यक घटकों में से एक है। इसीलिए हमारे देश में आजादी के पूर्व से ही निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए प्रयास किए जाते रहे हैं। इन प्रयासों को और अधिक प्रभावी एवं सुसंगठित बनाने के लिए सन् 1988 में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना की गई। मिशन की गतिविधियों से जहां एक ओर लाखों निरक्षर साक्षर बने, वहीं दूसरी ओर समाज के लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा हुई। परन्तु फिर भी हम शत प्रतिशत साक्षरता के लक्ष्य से काफी दूर हैं। शेष निरक्षरों को साक्षर बनाने हेतु पुन: अधिक सशक्त प्रयासों की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से 8 सितंबर 2009 को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर साक्षर भारत कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का लक्ष्य सन् 2012 तक 80 प्रतिशत साक्षरता की दर हासिल करना है तथा महिला-पुरुष साक्षरता के बीच साक्षरता दर के अंतर में 10 प्रतिशत तक की कमी लाना है। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से महिलाओं, अनुसूचित जाति/जनजाति के युवक-युवतियों पर केन्द्रित है।

साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित पठन-पाठन की गतिविधियों के लिए जानकारीवर्धक एवं जीवनोपयोगी साहित्य सामग्री की आवश्यकता होती है। इस सामग्री के निर्माण की जिम्मेदारी राज्य संसाधन केन्द्रों को सौंपी गई है।

हमारे केन्द्र द्वारा निरक्षर शिक्षार्थियों को बुनियादी साक्षरता प्रदान करने हेतु 'आखर साथी' एकीकृत प्रवेशिका तैयार की गई है। इस प्रवेशिका के माध्यम से शिक्षार्थी हिन्दी वर्णमाला के सभी स्वर, व्यंजनों, मात्राओं तथा छोटे-छोटे वाक्यों को पढ़ना-लिखना तथा 1 से 10000 तक की गिनती एवं साधारण जोड़, घटाव, गुणा तथा भाग सीख सकते हैं। नवसाक्षर शिक्षार्थियों द्वारा अर्जित पढ़ने, लिखने एवं गणित के कौशलों के पुनर्बलन एवं कौशलों में वृद्धि हेतु 'आखर साथी' ब्रिज प्रवेशिका का निर्माण किया गया है। ब्रिज प्रवेशिका के माध्यम से नवसाक्षर पढ़ने-लिखने एवं गणित के कौशलों में आत्मनिर्भर हो सकेंगे तथा दैनिक जीवन में अर्जित साक्षरता कौशलों का उपयोग करने में समर्थ हो सकेंगे। उनकी जागरूकता तथा कार्यात्मकता में भी वृद्धि अवश्य होगी। ब्रिज प्रवेशिका का निर्माण लेखक कार्यशाला में किया गया, जिसमें लेखक, शिक्षाविद्, विषय-विशेषज्ञ एवं क्षेत्रीय कार्यकर्ता शामिल हुए।

इस ब्रिज प्रवेशिका के निर्माण हेतु राष्ट्रीय साक्षरता साहित्य सामग्री विकास समिति से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उपरोक्त समिति द्वारा इस ब्रिज प्रवेशिका की समीक्षा कर अनुमोदित किया गया है। केन्द्र समिति के समस्त सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करता है। केन्द्र प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के प्रति भी अपना आभार व्यक्त करता है, जिसने समय-समय पर ब्रिज प्रवेशिका निर्माण हेतु मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया है। केन्द्र लेखक कार्यशाला के समस्त प्रतिभागियों के प्रति विशेष आभार व्यक्त करता है जिन्होंने प्रवेशिका निर्माण में सहयोग प्रदान किया है।

यह प्रवेशिका समीक्षा के दौरान प्राप्त सुझावों के अनुसार संशोधित कर प्रकाशित की जा रही है। प्रकाशन के उपरान्त भी प्राप्त प्रतिक्रियाओं एवं सुझावों के आधार पर प्रवेशिका के अगले संस्करण को संशोधित किया जाएगा। आपके सुझावों का सदैव स्वागत रहेगा।

अंजली अग्रवाल

निदेशक (प्र.)

शिक्षार्थी का परिचय

स्वयंसेवक शिक्षार्थियों का परिचय पत्रक भरें

- **शिक्षार्थी का नाम** ______________________________
- **माँ का नाम** ______________________________
- **पिता/पति का नाम** ______________________________
- **उम्र** __________ - **लिंग :** (महिला/पुरुष) ______________
- **शैक्षणिक स्थिति :** (नवसाक्षर/अर्द्धसाक्षर/शाला त्यागी) ______________
- **व्यवसाय** ______________________________
- **स्वयंसेवक का नाम** ______________________________
- **केन्द्र का स्थान** ______________________________
- **प्रवेश का दिनांक** ______________

स्वयंसेवक के हस्ताक्षर

ब्रिज प्रवेशिका

विषय सूची

अ.क्र.	पाठ का नाम	विषयवस्तु	गणित	पेज
पाठ 1	**शक्ति का नाम ही नारी है**	गीत	अंकों को शब्दों में लिखना	4
पाठ 2	**महारानी अहिल्याबाई होल्कर**	महिला सशक्तिकरण	स्थानीय मान	10
पाठ 3	**राहत की साँस**	गर्भवती की देखभाल	तीन संख्याओं को जोड़ना	16
पाठ 4	**लक्ष्मी का पत्र**	संतुलित आहार	तीन अंकों का घटाव	22
	जाँच पत्र - 7			
पाठ 5	**अब चुप न रहेंगी हम**	समान वेतन कानून	दैनिक हिसाब-किताब	32
पाठ 6	**निश्चय की मुस्कान**	सीमित परिवार का महत्व-स्वनिर्णय की क्षमता	तीन अंकों में एक अंक का गुणा	38
पाठ 7	**जादू का चूल्हा**	सौर ऊर्जा का उपयोग	तीन अंकों की संख्या में भाग देना	45
पाठ 8	**दो हाथ धुआँ**	मनोरंजक प्रसंग	क्षेत्रफल निकालना	52
	जाँच पत्र - 8			
पाठ 9	**तरक्की की राह**	कौशल विकास	कैलेण्डर देखना	60
पाठ 10	**करनी का फल**	नशे के दुष्परिणाम	ब्याज निकालना	68
पाठ 11	**भूल का एहसास**	यातायात के नियम	आकृतियों की जानकारी	74
पाठ 12	**इन्हें बचाएं ये अनमोल हैं**	सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा हमारा दायित्व	साधारण भिन्न	80
	जाँच पत्र - 9			

पाठ 1

शक्ति का नाम ही नारी है

कमजोर	शक्ति	साक्षरता	दुर्गा	मुट्ठी	विश्वास

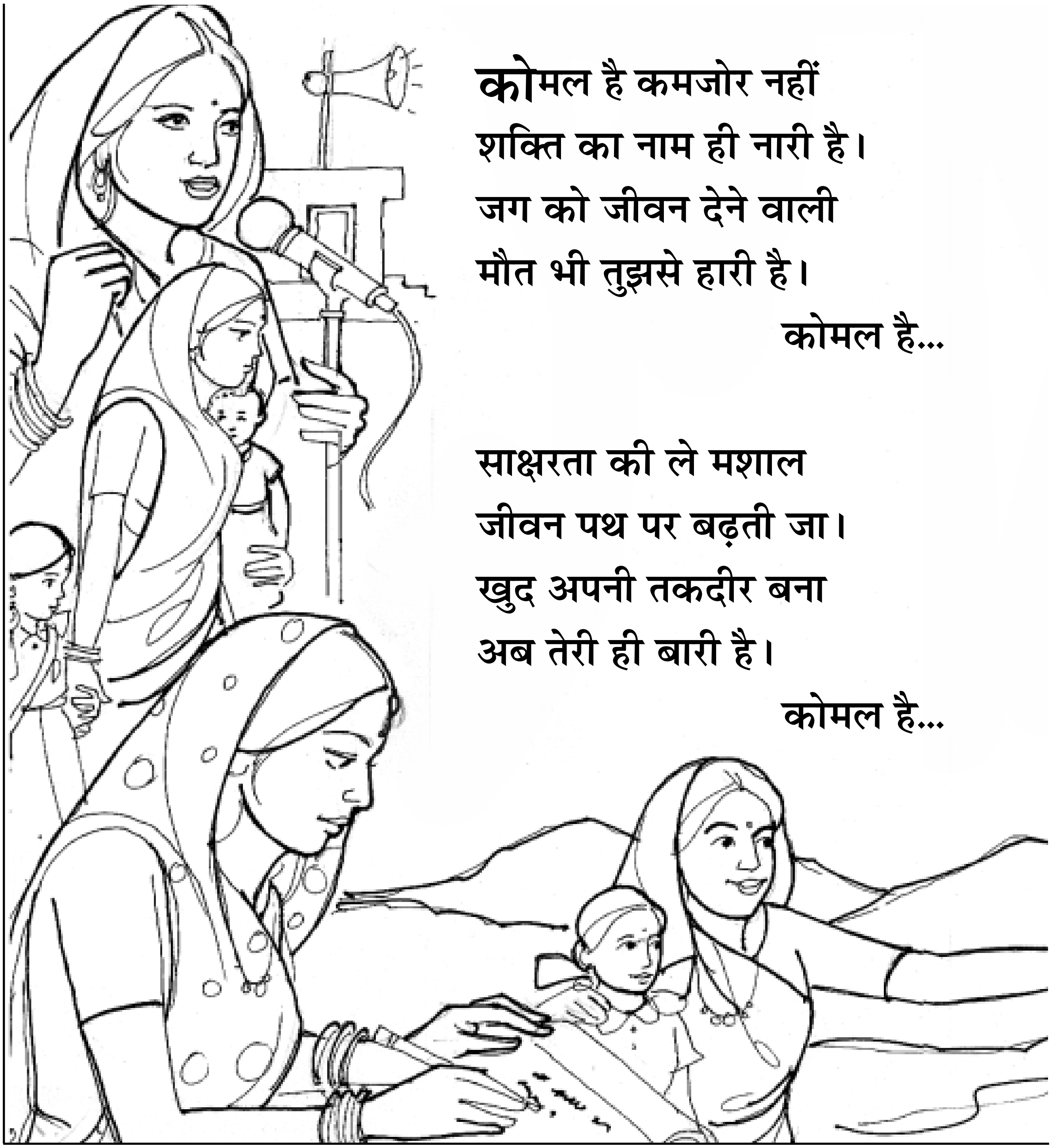

कोमल है कमजोर नहीं
शक्ति का नाम ही नारी है।
जग को जीवन देने वाली
मौत भी तुझसे हारी है।
कोमल है...

साक्षरता की ले मशाल
जीवन पथ पर बढ़ती जा।
खुद अपनी तकदीर बना
अब तेरी ही बारी है।
कोमल है...

दुर्गा सी बलिदानी तू
तू झांसी की रानी है।
तुझसे है आधी आबादी
तेरी कोख में दुनिया सारी है।
कोमल है...

समय है तेरी मुट्ठी में
कुछ करके दिखलाना है।
तू खुद में विश्वास जगा
अब न कोई लाचारी है।
कोमल है...

गणित

सीखिए अंकों को शब्दों में लिखना -

1	एक	21	इक्कीस	41	इकतालीस	61	इकसठ
2	दो	22	बाईस	42	बयालीस	62	बासठ
3	तीन	23	तेईस	43	तैंतालीस	63	तिरसठ
4	चार	24	चौबीस	44	चवालीस	64	चौंसठ
5	पाँच	25	पच्चीस	45	पैंतालीस	65	पैंसठ
6	छह	26	छब्बीस	46	छियालीस	66	छियासठ
7	सात	27	सत्ताईस	47	सैंतालीस	67	सड़सठ
8	आठ	28	अट्ठाईस	48	अड़तालीस	68	अड़सठ
9	नौ	29	उनतीस	49	उनचास	69	उनहत्तर
10	दस	30	तीस	50	पचास	70	सत्तर
11	ग्यारह	31	इकतीस	51	इक्यावन	71	इकहत्तर
12	बारह	32	बत्तीस	52	बावन	72	बहत्तर
13	तेरह	33	तैंतीस	53	तिरपन	73	तिहत्तर
14	चौदह	34	चौंतीस	54	चौवन	74	चौहत्तर
15	पंद्रह	35	पैंतीस	55	पचपन	75	पचहत्तर
16	सोलह	36	छत्तीस	56	छप्पन	76	छिहत्तर
17	सत्रह	37	सैंतीस	57	सतावन	77	सतहत्तर
18	अठारह	38	अड़तीस	58	अठावन	78	अठहत्तर
19	उन्नीस	39	उनतालीस	59	उनसठ	79	उनासी
20	बीस	40	चालीस	60	साठ	80	अस्सी

81	इक्यासी	91	इक्यानवे	101	एक सौ एक
82	बयासी	92	बानवे	102	एक सौ दो
83	तिरासी	93	तिरानवे	103	एक सौ तीन
84	चौरासी	94	चौरानवे	104	एक सौ चार
85	पचासी	95	पच्यानवे	105	एक सौ पाँच
86	छियासी	96	छियानवे	106	एक सौ छह
87	सतासी	97	सतानवे	107	एक सौ सात
88	अठासी	98	अठानवे	108	एक सौ आठ
89	नवासी	99	निन्यानवे	109	एक सौ नौ
90	नब्बे	100	सौ	110	एक सौ दस

अभ्यास

1. कठिन शब्दों के अर्थ जानिए -

शब्द		अर्थ
शक्ति	-	ताकत
पथ	-	रास्ता
तकदीर	-	भाग्य, किस्मत
लाचारी	-	मजबूरी

2. पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

आज के जमाने में महिलाएँ किसी भी मामले में पीछे नहीं हैं। पढ़-लिखकर महिलाएँ शिक्षक, सैनिक, डाक्टर, इंजीनियर आदि

बन रही हैं। इसलिए महिलाओं को कमजोर समझना गलत है। महिलाएँ पुरुषों के समान सब काम कर सकती हैं।

प्र.1. महिलाएँ पढ़-लिखकर क्या-क्या बन रही हैं?

....

....

प्र.2. क्या महिलाओं को पुरुषों से कमजोर मानना ठीक है?

....

....

3. नीचे दी गई लाइनों को पूरा कीजिए -

(क) कोमल है ....

(ख) शक्ति का नाम ....

(ग) खुद अपनी ....

(घ) तू खुद में ....

4. किसी गीत की दो लाइनें लिखिए -

....

....

5. अंकों को शब्दों में लिखिए -

8	आठ	97	....	164	....
12	बारह	110	एक सौ दस	172	....
25	....	120	....	176	....
40	....	135	....	185	....
55	....	158	....	200	दो सौ
68	....	195	....	350	....
79	....	137	....	442	....

गतिविधि -

- महिलाओं और लड़कियों की साक्षरता से होने वाले फायदों पर चर्चा करें।
- उन स्थानीय महिलाओं और लड़कियों के बारे में बातचीत करें: जिन्होंने पढ़ना-लिखना सीख लिया।
- उन स्थानीय महिलाओं के बारे में बातचीत करें जिन्हें लोग उनके अच्छे कामों के कारण याद करते हैं।

पाठ 2

महारानी अहिल्याबाई होल्कर

अहिल्याबाई | इन्दौर | समझदार | मृत्यु | राज्य | धर्मशाला | गुणगान

अहिल्याबाई इन्दौर के होल्कर राज्य की महारानी थीं। उनके पिता एक साधारण किसान थे। उस समय लड़कियों को पढ़ाने का चलन नहीं था। फिर भी उनके पिता ने उन्हें पढ़ाया।

अहिल्याबाई बचपन से ही नम्र और समझदार थीं। उनके इन गुणों से महाराजा मल्हारराव होल्कर बड़े प्रभावित हुए। उन्होंने अपने बेटे खाण्डेराव का विवाह अहिल्या से कर दिया।

अहिल्याबाई बड़ी सेवाभावी और होशियार थीं। इस कारण उनके ससुर उन्हें शासन संबंधी काम सौंपते थे। सौंपे गए सभी काम वे बड़ी कुशलता से करती थीं।

विवाह के नौ वर्ष बाद ही उनके पति की मृत्यु हो गई। उसके बाद उन पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जल्दी ही उनके ससुर, पुत्र और दामाद की मृत्यु हो गई। फिर भी अहिल्याबाई ने धीरज नहीं खोया। उन्होंने प्रजा की भलाई के लिए राजकाज खुद संभाला।

महारानी होने के बावजूद भी वे बड़ी सादगी से रहती थीं। वे धार्मिक विचारों की थीं। उन्होंने प्रजा की भलाई के लिए बहुत से काम किए। जैसे- सड़कें, कुएँ, बावड़ियाँ, घाट, धर्मशालाएँ, मंदिर बनवाना आदि। इनमें से कई स्थान आज भी मौजूद हैं। उन्होंने व्यापार को बढ़ावा दिया। किसानों को भी अनेक सुविधाएँ दीं। उन दिनों ठगों और डाकुओं का बड़ा आतंक था। उन्होंने अपने राज्य से ठगों और डाकुओं का खात्मा कराया।

कुशल शासिका होने के साथ-साथ अहिल्याबाई चतुर सेनापति भी थीं। चंद्रावतों ने होल्कर राज्य के कुछ गाँवों पर कब्जा कर लिया था। अहिल्याबाई ने महिलाओं की सेना बनाई और चंद्रावतों का मुकाबला किया। युद्ध में उनकी जीत हुई। पूरे राज्य में उनकी जीत की खुशी मनाई गई।

अहिल्याबाई धार्मिक, वीर और प्रजा की हितैषी शासिका थीं। इन्हीं गुणों के कारण प्रजा उन्हें माँ और देवी कहती थी। लोग आज भी उनका गुणगान करते हैं।

सीखिए - दस हजार तक की संख्याओं का स्थानीय मान ज्ञात करना।

- पाँच अंक की संख्या में दांयें से पहला अंक इकाई, दूसरा अंक दहाई व तीसरा अंक सैकड़ा, चौथा अंक हजार, पाँचवा अंक दस हजार के स्थान को बतलाता है।

जैसे - 14328 का स्थानीय मान नीचे दिया गया है -

दस हजार	हजार	सैकड़ा	दहाई	इकाई
				8
			2	0
		3	0	0
	4	0	0	0
1	0	0	0	0

14328 में 8 इकाइयां, 2 दहाइयां, 3 सैकड़े, 4 हजार व एक दस हजार है।

- संख्या 8 में 8 का स्थानीय मान 8 इकाइयां है।
- 28 में 2 का स्थानीय मान 2 दहाइयां अर्थात् 20 है।
- 328 में 3 का स्थानीय मान 3 सैकड़ा अर्थात् 300 है।
- 4328 में 4 का स्थानीय मान 4 हजार अर्थात् 4000 है।
- 14328 में 1 का स्थानीय मान दस हजार अर्थात् 10000 है।

संख्याओं का विस्तारित रूप समझिए -

- तीन अंकों की संख्या का सैकड़ा, दहाई और इकाई के रूप में विस्तार करना।
- विस्तारित रूप से संख्या लिखना।

1. 133 | 1 सैकड़ा | 3 दहाइयाँ | 3 इकाइयाँ

इस प्रकार 133 का विस्तारित रूप होगा - 100+30+3

2. 888 का विस्तारित रूप 800+80+8 है।

अभ्यास

1. जानिए - शब्दों के अर्थ

शब्द	अर्थ
अनेक	कई
मृत्यु	मौत
आतंक	डर
समस्या	परेशानी
धार्मिक	धर्म को मानने वाला
मुकाबला करना	सामना करना
गुणगान करना	प्रशंसा करना, तारीफ करना
हितैषी	भला चाहने वाला

2. पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

हमारे देश में अनेक वीर नारियों ने जन्म लिया। जैसे- झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, चाँद बीबी आदि। इन्होंने महिलाओं को शस्त्र चलाने की शिक्षा दी। महिलाओं की सेना भी बनाई। इन्होंने अपने राज्य की रक्षा के लिए दुश्मनों का बड़ी वीरता से मुकाबला किया। दुश्मनों के सामने झुकी नहीं। दुश्मनों से लड़ते-लड़ते इन्होंने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

प्र.1. हमारे देश की 2 वीर नारियों के नाम लिखिए।

....

प्र.2. अपने राज्य की रक्षा के लिए इन नारियों ने क्या किया?

....

....

3. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

प्र.1. अहिल्याबाई किस राज्य की महारानी थीं?

....

प्र.2. अहिल्याबाई ने प्रजा की भलाई के लिए कौन से काम किए?

....

....

प्र.3. अहिल्याबाई के कोई दो गुण लिखिए।

....

4. नीचे दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए -

साधारण ....

किसान ....

राज–काज ....

सेनापति ....

5. स्थानीय मान लिखिए -

	दस हजार	हजार	सैकड़ा	दहाई	इकाई
क. 15216					
ख. 67543					
ग. 96854					

6. विस्तारित रूप से संख्या लिखिए -

क. 527 ....

ख. 710 ....

ग. 858 ....

गतिविधि -

- दिए गए चित्रों को पहचानकर महिलाओं के नाम लिखिए।

....

पाठ 3

राहत की साँस

प्रसव	ट्रेन	मेहमान	दोहराना	नर्स	अस्पताल	ढाढ़स
आंगनवाड़ी	जानकारी	टिटेनस	अंकुरित	एम्बुलेन्स		

वंदना प्रसव (जचकी) के लिए अपनी भाभी सरला के साथ मायके जा रही थी। वह डरी-डरी सी ट्रेन में बैठी हुई थी। उसकी भाभी ने पूछा- 'क्या बात है जीजी? डरी-डरी क्यों हो? अब तो हमारे घर पर एक नया मेहमान आने वाला है। इस समय तो खुश रहना चाहिए।'

वंदना बोली– 'भाभी, मैं अपनी पहली जचकी को भूल नहीं पा रही हूँ। हमारी प्यारी–सी मुन्नी पैदा होते ही खत्म हो गई थी। मुझे बड़ा डर लग रहा है? कहीं फिर...।'

उसने वंदना के मुँह पर हाथ रख दिया। तपाक से बोली– 'जीजी अब ऐसा नहीं होगा। पिछली बार हमने जो गलती की थी अब उसे नहीं दोहराएंगे।'

'भाभी, पिछली बार नर्स ने समझाया था कि अस्पताल में जचकी कराओ। पर दादी की जिद के कारण घर पर जचकी कराई। और हमें अपनी मुन्नी से हाथ धोना पड़ा।'– कहकर वंदना सिसकने लगी।

सरला ढाढ़स बँधाते हुए बोली– 'देखो जीजी, माँ और दादी दोनों को समझा दिया है। दोनों मान गई हैं। इस बार आपकी जचकी अस्पताल में ही होगी। मैंने सारी जानकारी भी ले ली है। नर्स बहनजी ने बताया था कि आपको अस्पताल में खून, पेशाब, ब्लड प्रेशर आदि की जाँच करानी होगी। आपको दो टिटेनस के टीके भी लगेंगे।'

वंदना बोली– 'मैंने टिटेनस के टीके लगवा लिए हैं। मैं आयरन की गोलियाँ भी रोज ले रही हूँ। इससे खून की कमी नहीं होगी। हरे पत्ते वाली सब्जियाँ, अंकुरित अनाज, गुड़, मूँगफली, दूध, फल सब लेती हूँ। अपने खान–पान का खास ध्यान रखती हूँ।'

सरला ने कहा– 'वाह दीदी, आप तो बड़ी समझदारी का काम कर रही हैं। अब आप और आपका होने वाला बच्चा दोनों ही

स्वस्थ रहेंगे।'

वंदना ने पूछा- 'भाभी, अपने गाँव से तो स्वास्थ्य केन्द्र बहुत दूर है। जचकी के समय वहाँ कैसे पहुँचेंगे?'

सरला बोली- 'इसकी व्यवस्था सरकार ने कर रखी है। 108 नंबर पर फोन करने पर एम्बुलेन्स आ जाएगी। कोई किराया भी नहीं लगेगा।'

वंदना ने राहत की साँस लेते हुए कहा- 'अब तो चिंता की कोई बात नहीं है।'

गणित

सीखिए - तीन अंकों की तीन संख्याओं को जोड़ना -

1.

	7	3	9
	3	5	4
+	2	0	8

चरण - 1

	सै	द	इ
		2	
	7	3	9
+	3	5	4
	2	0	8
			1

चरण - 2

	1	2	
	7	3	9
+	3	5	4
	2	0	8
		0	1

चरण - 3

1		
7	3	9
3	5	4
2	0	8
13	0	1

2. मोहन फलों को बेचने का काम करता है। उसने 238 रुपये के आम, 185 रुपये के अंगूर, 81 रुपये के संतरे खरीदे। तो उसने कुल कितने रुपये खर्च किए?

	2	3	8	रु. के आम
+	1	8	5	रु. के अंगूर
	0	8	1	रु. के संतरे
	5	0	4	रु. कुल खर्च

अभ्यास

1. जानिए - शब्दों के अर्थ

ट्रेन - रेलगाड़ी

ढाढ़स - दिलासा

दोहराना - बार-बार कहना या करना।

एम्बुलेंस - मरीज को अस्पताल ले जाने वाला वाहन।

अंकुरित - उगा हुआ अनाज।

2. पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

जच्चा बच्चा सुरक्षित ग्रामीण कार्यकर्ता आँगनवाड़ी संपर्क

जननी सुरक्षा योजना

माँ और बच्चे की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा जननी सुरक्षा योजना चलाई जा रही है। अस्पताल में जचकी कराने से माँ और बच्चे का जीवन सुरक्षित रहता है। इस योजना में अस्पताल में

जचकी कराने पर जच्चा को नगद राशि दी जाती है। इससे वह पौष्टिक आहार ले सकती है। महिला को अस्पताल लाने वाले प्रेरक को भी कुछ नगद राशि दी जाती है। योजना की अधिक जानकारी के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता या ए.एन.एम. से संपर्क करें।

प्र.1. माँ और बच्चे की सुरक्षा के लिए कौन सी योजना चलाई जा रही है ?

....

प्र.2. जचकी अस्पताल में कराने से क्या फायदा होता है?

....

3. खेलिए -

गर्भावस्था संबंधी सांप-सीढ़ी

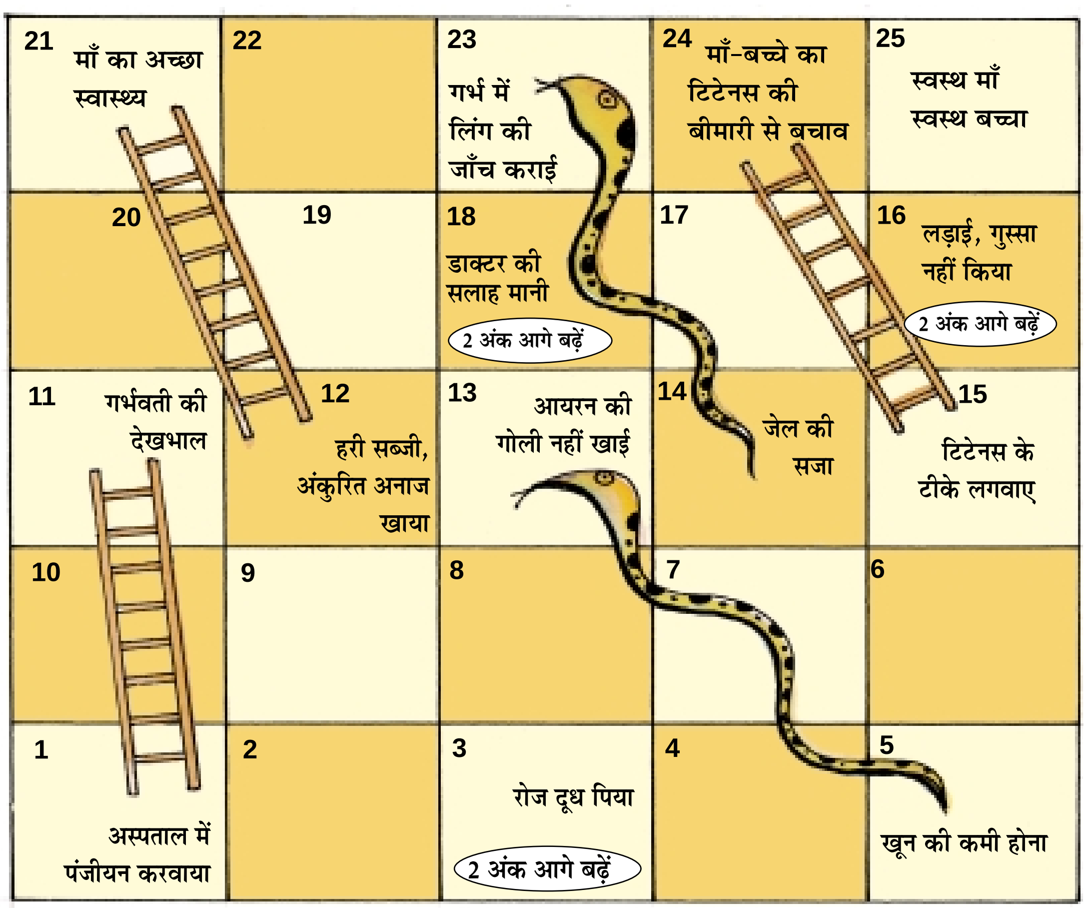

4. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

प्र.1. गर्भवती की कौन-कौन सी डाक्टरी जाँच होती है?

....

प्र.2. हरी सब्जियाँ खाने से गर्भवती को क्या फायदा होता है?

....

5. जोड़िए -

828 467 + 208	7 15 320 + 118	907 635 + 118

6. सवाल हल कीजिए -

राधा ने 212 पौधे, यूसुफ ने 115 पौधे, टोनी ने 100 पौधे लगाए। तो बताओ कुल कितने पौधे लगाए गए।

गतिविधि -

स्वयंसेवक स्वास्थ्य कार्यकर्ता या आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को केन्द्र पर बुलवाकर चर्चा करें -

- स्वास्थ्य केन्द्र पर मिलने वाली सुविधाएं।
- आंगनवाड़ी द्वारा गर्भवती व दूध पिलाने वाली माताओं हेतु चलाए जाने वाले कार्यक्रम।
- गर्भावस्था में परिवार में प्रचलित मान्यताएँ- उनमें से कौन सी सही/गलत हैं।

पाठ 4

लक्ष्मी का पत्र

लक्ष्मी | हड्डी | आशीर्वाद | गृहलक्ष्मी | अन्नपूर्णा | प्रेमभाव

उदयगढ़
12 मई 2010

प्रिय तुलसी,

बहुत-बहुत आशीर्वाद। आशा है तुम सभी स्वस्थ-सुखी होंगे। तेरे यहाँ शादी में न आने का दुख अभी भी है। क्या करूँ? पैर की हड्डी टूट जाने से नहीं आ सकी। ठीक होते ही बहू निशा को देखने जरूर आऊँगी।

वैसे तो तू समझदार है। फिर भी तुझसे कुछ बातें कहना चाहती हूँ। परिवार की एकता व खुशी के लिए बहू को बेटी समझना। बहू गृहलक्ष्मी और अन्नपूर्णा होती है। उसे मायके की कमी महसूस मत होने देना। घर के कामकाज में उसका हाथ बंटाना। उसे साथ बिठाकर खाना खिलाना। कोई काम न कर पाए तो प्रेम से सिखाना। इस तरह ध्यान रखने से प्रेमभाव बढ़ता है।

पत्र लिखते-लिखते सुमित्रा मासी की याद आ गई। उन्होंने अपनी बहू से बहुत खराब बर्ताव किया था। बेचारी बहू लंबा घूंघट निकाले सारा दिन काम करती। सबसे बाद में बचा-खुचा खाना खाती। उस पर भी मासी हमेशा ताने देती रहती। वह घबराकर 6 महीने बाद ही मायके चली गई। मासी अब पछताती है। पर बहू बहुत परेशान हो गई थी। मासाजी 3-4 बार लेने भी गए। फिर भी वह आने को तैयार नहीं है। मैं जानती हूँ कि हमारे यहाँ ऐसा नहीं होगा।

सुमेरजी, नीरज व निशा को मेरी ओर से ढेर सारा आशीर्वाद। पत्र के जवाब के इंतजार में ...

पता

तेरी जीजी

श्रीमती तुलसीबाई सुमेरजी चौहान

लक्ष्मी

म.नं. 25, इंदिरा चौक, ग्राम-कोदरिया

तहसील महू, जिला इंदौर-453441

घटाव करना सीखिए -

❖ तीन अंकों की संख्याओं का उधार लेकर घटाना।

उदाहरण - 1 : निम्न संख्याओं को घटाइए।

	7	9	3
−	4	3	6

चरण - 1

	सै	द	इ
			10
	7	~~9~~	3
−	4	3	6
			7

चरण - 2

		8	
	7	~~9~~	3
−	4	3	6
		5	7

चरण - 3

	7	9	3
−	4	3	6
	3	5	7

उदाहरण - 2

रोशन के पास 806 बकरियाँ थीं। उसने 478 बकरियाँ बेच दीं। बताइए उसके पास कितनी बकरियाँ शेष बचीं?

	सै	द	इ
	8	0	6
−	4	7	8

	सै	द	इ
	7	9	10
	~~8~~	~~0~~	6
−	4	7	8
	3	2	8

अभ्यास

1. जानिए - शब्द व उनके अर्थ

शब्द		अर्थ
आशीर्वाद	-	आशीष, दुआ
गृहलक्ष्मी	-	घर की लक्ष्मी (बहू)
अन्नपूर्णा	-	अन्न की देवी
एकता	-	मिलजुल कर रहना
इंतजार	-	राह देखना

2. पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

परिवार में सुख-शांति के लिए जरूरी है- सभी लोग एक दूसरे का ध्यान रखें। एक दूसरे के सुख-दुख को समझें। ऐसा होने पर ही प्रेमभाव बढ़ता है। परिवार में महिलाएँ तो सबका ध्यान रखती हैं। पर ज्यादातर घरों में महिलाओं का ध्यान नहीं रखा जाता है। उनकी दुख-तकलीफ को भी समझना जरूरी है। बीमार होने पर उनका इलाज कराना घर के लोगों की जिम्मेदारी है। महिलाएँ परिवार की धुरी हैं। महिलाएँ स्वस्थ होंगी तभी घर-गृहस्थी की गाड़ी ठीक से चलेगी।

प्र.1. परिवार में सुख-शांति के लिए क्या जरूरी है?

....

प्र.2. परिवार की धुरी कौन होती है?

....

3. पाँच सब्जियों या फलों के नाम लिखिए -

....

....

....

4. (क) अपने किसी प्रिय दोस्त या रिश्तेदार को पत्र लिखिए -

....

....

....

....

....

....

....

4. (ख) पूरा पता लिखिए -

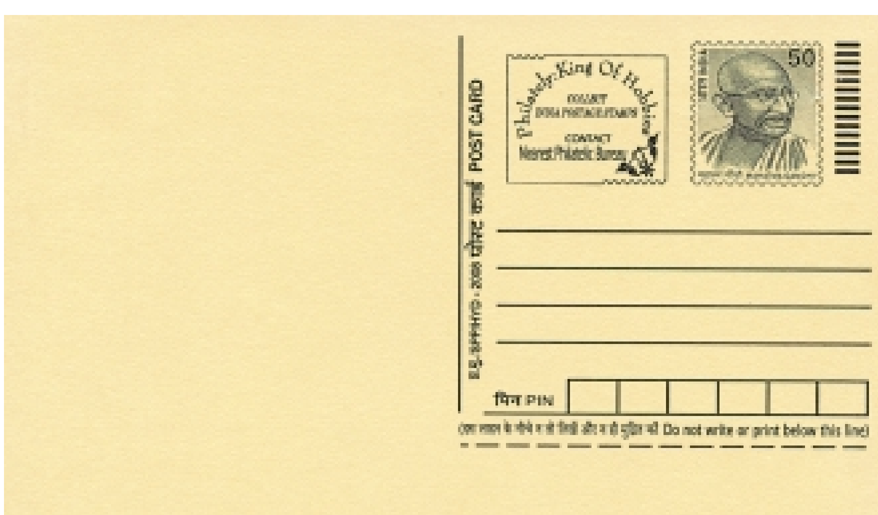

5. सवाल हल कीजिए -

803
− 202

985
− 846

676
− 489

प्रश्न 1. मांगीलाल ने 500 बोरी सोयाबीन खरीदी। उसमें से 450 बोरी सोयाबीन बेच दी। बताओ उसके पास कितनी सोयाबीन की बोरी बची?

प्रश्न 2. जानकी के पास 360 रुपये थे। उसने 255 रुपये का सामान खरीदा। बताओ उसके पास कितने रुपये बचे?

प्रश्न 3. असगर के पास 125 बकरियाँ थीं। उसने 60 बकरियाँ बेच दीं। बताइए उसके पास कितनी बकरियाँ बचीं?

जांच पत्र - 7

1. पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

पृथ्वी व्यक्ति ट्रक मिट्टी एम्बुलेन्स आशीर्वाद

माँ-बच्चे की सुरक्षा के लिए सरकार की कई योजनाएँ चल रही हैं। जैसे- अस्पताल में प्रसव की सुविधा, अस्पताल तक आने के लिए एम्बुलेन्स की सुविधा, टीकाकरण, ताकत की दवाइयाँ देना, पोषण आहार आदि। ये सारी सुविधाएँ मुफ्त दी जा रही हैं। अस्पताल में प्रसव करवाकर माँ-बच्चे का जीवन सुरक्षित रखा जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए आशा कार्यकर्ता (बहनजी) से संपर्क करें।

प्र.1. माँ-बच्चे की सुरक्षा के लिए दी जा रही कोई 2 सुविधाओं के नाम लिखिए।

....

....

प्र.2. कहाँ प्रसव करवाकर माँ-बच्चे के जीवन को सुरक्षित रखा जा सकता है?

....

....

2. नीचे दिए गए चित्र के सामने उसका नाम लिखिए व वाक्य बनाइए -

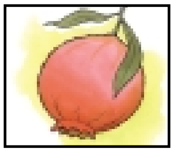 ....

....

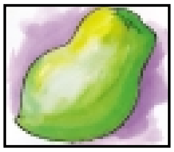 ....

....

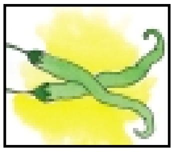 ....

....

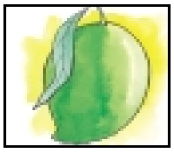 ....

....

3. सही वाक्य पर सही ✓ और गलत वाक्य पर ✗ का निशान लगाइए-

- महिलाएँ पुरुषों से कमजोर हैं। ☐
- अहिल्याबाई कुशल शासिका और चतुर सेनापति थीं। ☐
- घर पर जचकी कराने से माँ-बच्चा सुरक्षित रहते हैं। ☐
- गर्भवती महिला को कोई टीका नहीं लगवाना चाहिए। ☐
- बहू को बेटी के समान समझना चाहिए। ☐

4. आपको कोई गीत याद हो तो उसकी 2 लाइनें लिखिए -

....

....

5. अपने भाई को पत्र लिखिए - जिसमें घर के हालचाल बताइए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

6. नीचे दी गई संख्याओं को शब्दों में लिखिए -

5	....	17	....	53	....
26	....	77	....	98	....

7. नीचे दी गई संख्याओं का विस्तारित रूप लिखिए -

428 ....

763 ....

8. जोड़-घटाव कीजिए -

3 1 7 + 2 6 0	8 5 9 + 3 8 7	5 7 6 - 2 1 3	4 8 6 - 3 7 8

9. सवाल हल कीजिए -

लक्ष्मी ने पहले महीने 850 रुपये बैंक में जमा किए। दूसरे महीने 360 रुपये जमा किए। बताइए बैंक में उसके खाते में कितने रुपये जमा हैं ?

10. सवाल हल कीजिए -

कैलाश की दुकान पर 786 किलोग्राम गेहूँ हैं। उसने 442 किलोग्राम गेहूँ बेच दिया। बताओ कुल कितना गेहूँ शेष बचा है ?

पाठ 5

अब चुप न रहेंगी हम

बिल्डिंग | गुस्सा | मर्दों | ठेकेदार | अन्याय

ठेकेदार अमीरचंद बिल्डिंग बनवाता है। बहुत से मजदूर उसके यहाँ काम करते हैं। रजिया और जानकी भी उसके यहाँ मजदूरी करती हैं। रोज दोनों साथ-साथ मजदूरी पर जाती हैं।

जानकी, रजिया को बुलाते हुए- रजिया, ओ रजिया! चल जल्दी। देर हो रही है। काम पर नहीं चलना क्या?

रजिया- आ रही हूँ चाची। काम पर नहीं जाएंगे तो कैसे गुजारा होगा? पर आजकल काम पर जाने के नाम से बड़ी कोफ्त होती है।

जानकी- अब सुबह-सुबह तुझे क्या हो गया?

रजिया- ठेकेदार मर्दों को तो सौ रुपए मजदूरी देता है। और हम औरतों को सत्तर रुपए। क्या यह अन्याय नहीं है?

जानकी- अन्याय तो है। काम तो हम मर्दों के बराबर करते हैं। फिर भी हमको मजदूरी कम मिलती है। पर क्या करें, हमारी मजबूरी है। यदि हम ज्यादा मजदूरी माँगेंगे तो वह हमको काम से निकाल देगा। फिर तो जो मजदूरी मिल रही है, उससे भी हाथ धोना पड़ेगा। बताओ हम क्या करें?

रजिया- अब हम सब औरतों को एका करना होगा। सब मिलकर ठेकेदार से मर्दों के बराबर मजदूरी मांगेंगी। जब काम बराबर तो दाम भी बराबर मिलने चाहिए।

आज ही हमें सब औरतों से इस बारे में बातचीत करना होगी। मिलकर माँग करेंगे तो ठेकेदार को हमारी बात माननी होगी। एकता में बड़ी ताकत होती है। आँगनवाड़ी की बहनजी बता रही थीं- 'समान काम समान वेतन कानून' बन गया है। समान काम के लिए मजदूरी में भेदभाव करना गैर कानूनी है। इसके लिए ठेकेदार को जुर्माना या सजा हो सकती है।

जानकी- फिर तो हमें चुप रहने की जरूरत नहीं है।

दोनों मिलकर गाती हैं-

अब चुप न रहेंगी हम,
अब चुप रहीं तो पिछड़ जाएंगी हम,
कुछ ना होगा गर झुक जाएंगी हम,
अब ना मनमानी सहेंगी औरतें,
अपना हक पाकर रहेंगी औरतें।

गणित

सीखिए -

- दैनिक जीवन में हिसाब-किताब करना।

उदाहरण - 1

रहमान को सात दिन की मजदूरी 700 रुपये मिली। उसने 120 रुपये का आटा, 50 रुपये का तेल और 35 रुपये की शकर खरीदी। उसके पास कितने रुपये बचे?

	120 रुपये का आटा
	50 रुपये का तेल
+	35 रुपये की शकर
	205 रुपये की खरीदी

	700 कुल रुपये
−	205 रुपये की खरीदारी
	495 रुपये बचे

अभ्यास

1. जानिए -

शब्द		अर्थ
कोफ्त होना	-	चिढ़ होना
मर्द	-	आदमी
बिल्डिंग	-	मकान, भवन
वेतन	-	मजदूरी, काम का पैसा

2. पढ़िए और प्रश्न के उत्तर दीजिए -

शासन द्वारा 'समान काम-समान वेतन कानून' बनाया गया है। समान काम के लिए आदमी-औरतों को बराबर वेतन या मजदूरी देना जरूरी है। समान काम के लिए मजदूरी में भेदभाव करना कानूनन अपराध है। मजदूरी में भेदभाव करने पर मालिक को जुर्माना या सजा हो सकती है। इस कानून का उल्लंघन होने पर श्रम आयुक्त (लेबर कमिश्नर) कार्यालय में शिकायत की जा सकती है।

प्र.1. शासन ने बराबर मजदूरी के लिए कौन सा कानून बनाया है?

....

....

प्र.2. मजदूरी में भेदभाव करने पर मालिक पर क्या कार्यवाही की जा सकती है?

....

....

प्र.3. 'समान काम-समान वेतन कानून' का उल्लंघन होने पर कहाँ शिकायत की जा सकती है?

....

....

3. सही वाक्य पर ✓ का व गलत पर ✗ निशान लगाइए -

1. ठेकेदार अमीरचन्द बिल्डिंग बनाने का काम करता है। ☐
2. ठेकेदार आदमियों को ज्यादा और औरतों को कम मजदूरी देता है। ☐
3. आदमियों को ज्यादा मजदूरी देना ठीक है। ☐
4. समान काम के लिए औरतों को आदमियों के बराबर मजदूरी मिलनी चाहिए। ☐
5. समान काम के लिए आदमी-औरतों की मजदूरी में भेदभाव करना कानूनन अपराध है। ☐

4. सवाल हल कीजिए -

प्रश्न 1. मोतीराम के बगीचे में 153 पेड़ आम के, 49 पेड़ पपीते के और 38 पेड़ केले के हैं। उसके बगीचे में कुल कितने पेड़ है? मोतीराम ने आम के सारे पेड़ बेच दिए तो अब कितने पेड़ बचे?

प्रश्न 2. गीता ने पहले महीने 225 रुपये, दूसरे महीने 260 रुपये और तीसरे महीने 136 रुपये बैंक में जमा किए। जरूरत पड़ने पर चौथे महीने 350 रुपये बैंक से निकाल लिए। बताओ उसके बैंक में कितने रुपये शेष हैं?

प्रश्न 3. असगर के पास 55 बकरियाँ, 32 भेड़ें और 25 मुर्गियाँ हैं। बताइए उसके पास कुल कितने जानवर हैं। उसने सारी मुर्गियाँ बेच दीं तो उसके पास कितने जानवर बचे?

गतिविधि -

चर्चा कीजिए -

- क्या आपके यहाँ समान काम के लिए महिलाओं को आदमियों के बराबर मजदूरी मिलती है?
- यदि नहीं मिलती है तो बराबर मजदूरी पाने के लिए क्या आप लोगों ने कोई कोशिश की है?
- महिला-पुरुष के वेतन में भेदभाव होने पर आप क्या करेंगे?

पाठ 6

निश्चय की मुस्कान

निश्चय | मुस्कान | झगड़ा | कुँवारा | सीमित | नौबत

ममता को शादी होकर इस गांव में आए कुछ ही महीने हुए थे। लेकिन थोड़े समय में ही वह गांव की सभी औरतों को जानने लगी थी। वह नदी के घाट पर जाती तो सभी से मिलना हो जाता।

आज ममता जल्दी-जल्दी चलकर घाट पर पहुंची। वहाँ तीन चार औरतें पहले से मौजूद थीं। सबके कान सरजू काकी की बातों में लगे थे। काकी कह रही थी- 'सुना है, रामेश्वर दादा के घर

जमीन-जायदाद के लिए झगड़ा चल रहा है।'

जमुना ने अचरज से पूछा- 'लेकिन काकी, झगड़ा किस बात का? रामेश्वर दादा के पास इतनी जमीन है। पांचों बच्चों में बंट भी जाए तो किसी को कम थोड़े ही पड़ेगी?'

काकी- 'अरी, वह तो ठीक है। लेकिन चार भाई-बहनों का भरा पूरा परिवार है। पाँचवां तो अभी कुंवारा है। चारों के कुल मिलाकर 15 बच्चे हैं।'

15 बच्चों की बात सुन ममता का ध्यान कहीं और चला गया। वह सोचने लगी- 60 एकड़ जमीन 5 भाई-बहनों में बंट जाएगी। तब हर एक के पास केवल 12 एकड़ जमीन रह जाएगी। आगे चलकर इस जमीन का बंटवारा होगा तब तो 3-4 एकड़ जमीन से अधिक किसी के पास नहीं रहेगी। जब इन बच्चों के बच्चे होंगे तब क्या होगा? परिवार तो बढ़ेगा पर जमीन थोड़े ही बढ़ेगी।

उसे समझ में आने लगा कि दादा की बहुएँ हमेशा थकी-थकी क्यों रहती हैं। घर का कामकाज और फिर जल्दी-जल्दी बच्चे। ठीक रहें भी तो कैसे?

ममता सोचने लगी- कहीं मेरा भी हाल तो ऐसा नहीं हो जाएगा? न बाबा न, मैं तो ऐसी नौबत ही नहीं आने दूँगी। सचमुच, परिवार सीमित रखना बहुत जरूरी है।

घर लौटते समय ममता के चेहरे पर एक नई मुस्कान तैर रही थी। यह निश्चय की मुस्कान थी।

गणित

गुणा करना सीखिए -

- जिस संख्या में गुणा किया जाता है उसे गुण्य कहते हैं।
- जिस संख्या से गुणा किया जाता है उसे गुणक कहते हैं।
- गुणा करने पर जो परिणाम निकलता है उसे गुणनफल कहते हैं।

  2 ⟵ गुण्य
× 5 ⟵ गुणक
―――
 10 ⟵ गुणनफल

> 2×5=10 में 2 गुण्य, 5 गुणक व 10 गुणनफल है।

- किसी भी संख्या में 'शून्य' का गुणा करने पर गुणनफल शून्य ही आता है।

उदाहरण – 1 : तीन अंकों में एक अंक का गुणा –

123 में 3 का गुणा करो –

चरण – 1

सै	द	इ
1	2	3
	×	3

चरण – 2

सै	द	इ
1	2	3
	×	3
		9

चरण – 3

सै	द	इ
1	2	3
×		3
	6	9

चरण – 4

सै	द	इ
1	2	3
×		3
3	6	9

उदाहरण - 2

आरिफ ने 125 नीबू खरीदे। यदि एक नीबू की कीमत 2 रुपये है तो बताइए उसने कितने रुपये के नीबू खरीदे?

हल :-

1 (हासिल)	
1 2 5	नीबू
× 2	रुपये
2 5 0	रुपये

संकेत : एक वस्तु की कीमत मालूम होने पर, अधिक वस्तुओं की कीमत मालूम करने के लिए गुणा किया जाता है।

अभ्यास

1. पढ़िए और खाली स्थान को भरिए -

बढ़ती आबादी देश की सबसे बड़ी समस्या है। आबादी बढ़ने से कई समस्याएं पैदा होती हैं। भोजन, कपड़े, मकान की कमी बनी रहती है। बच्चों को शिक्षा नहीं मिल पाती। बीमारों को इलाज नहीं मिल पाता। कई लोग बेरोजगार रहते हैं।

आबादी को बढ़ने से रोकना जरूरी है। परिवार को सीमित रखने में ही समझदारी है। इसी से जीवन सुखी होगा। देश व समाज का विकास होगा।

(रोकना, सीमित, समस्याएँ)

- आबादी बढ़ने से कई ...समस्याएँ... पैदा होती हैं।
- परिवार को .... रखने में समझदारी है।
- आबादी को बढ़ने से .... जरूरी है।

2. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्र.1. रामेश्वर दादा के घर किस बात का झगड़ा चल रहा था?

....

प्र.2. ममता ने किस बात का निश्चय किया?

....

3. दिए गए पोस्टर को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

प्र.1. कौन–सा परिवार सुखी परिवार है?

....

प्र.2. परिवार बड़ा होने से क्या–क्या समस्याएँ आ सकती हैं?

....

प्र.3. छोटा परिवार होने के क्या फायदे हैं?

....

4. सवाल हल कीजिए -

$$\begin{array}{r} 5\ 7\ 8 \\ \times\ 7 \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 8\ 4\ 2 \\ \times\ 6 \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 6\ 8\ 5 \\ \times\ 8 \\ \hline \end{array}$$

प्रश्न 1. एक साड़ी की कीमत 225 रुपये है तो 3 साड़ियों की कीमत कितनी होगी?

प्रश्न 2. ममता को एक दिन की मजदूरी 125 रुपये मिली। बताइए उसकी 4 दिन की मजदूरी कितनी होगी?

प्रश्न 3. नारायण पौधे लगाने के लिए एक दिन में 35 गड्ढे खोदता है तो वह 7 दिन में कितने गड्ढे खोद सकेगा?

गतिविधि -

- चित्र दिखाकर छोटे और बड़े परिवार का अंतर समझाइए।

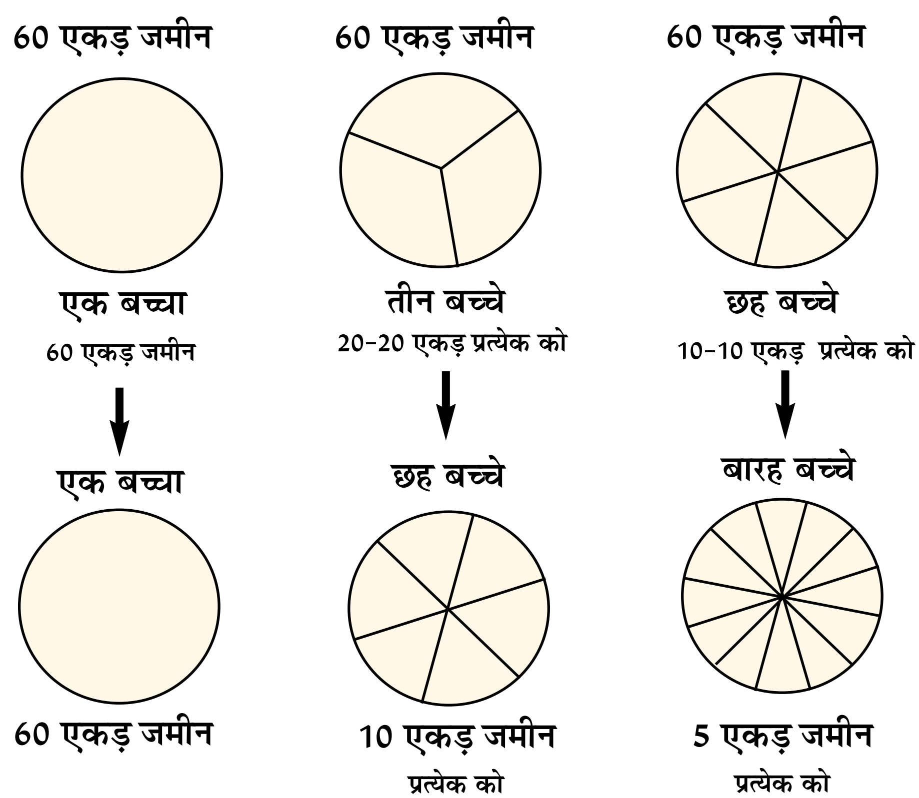

पाठ 7

जादू का चूल्हा

चूल्हा	आश्चर्य	पौष्टिक	डिब्बा	ग्रामोद्योग	स्वादिष्ट

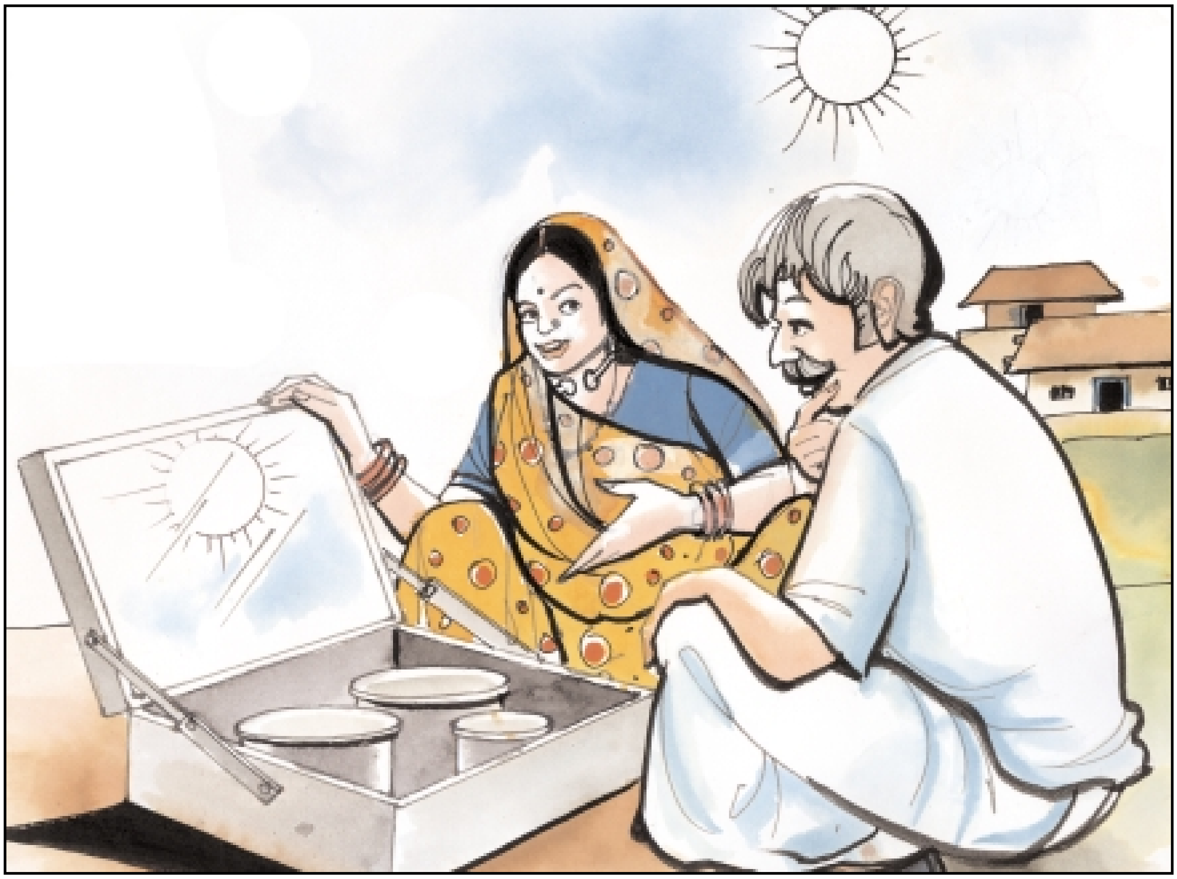

रामलाल ने अपनी बहन सरला के घर बड़ा-सा सन्दूक देखा। उसमें काँच लगा हुआ था।

रामलाल ने आश्चर्य से पूछा- 'सरला, यह काँच लगा सन्दूक किस काम आता है?'

सरला ने जवाब दिया- 'भैया, यह सोलर कुकर है। इसमें सूरज की गर्मी से खाना पकता है।'

‘क्या कहा? बिना ईंधन के, केवल सूरज की गर्मी से खाना पकता है?’

सरला बोली- ‘हाँ भैया, यह जादू का चूल्हा है।’

रामलाल बोला- ‘मुझे तो विश्वास ही नहीं हो रहा है?’

सरला बोली- ‘तुम रुको, मैं अभी इसमें खाना पकाकर दिखाती हूँ। ठंड के दिनों में थोड़ा धीमे पकता है। अभी तो गर्मी है, जल्दी पक जाएगा।’

वह घर के अंदर गई। थोड़ी देर बाद काले रंग से पुते तीन डिब्बे लाई। उनमें धुले दाल-चावल और छौंके हुए आलू रखे थे। उसने तीनों डिब्बों को संदूक में रख दिया। दोनों भाई-बहन बैठकर बातें करने लगे।

सरला ने 3 घंटे बाद संदूक खोलकर रामलाल को दिखाया। गर्मा-गर्म दाल-चावल और आलू की सब्जी की महक आ रही थी। रामलाल आँखें फाड़कर देखने लगा।

फिर बोला- ‘वाह, सचमुच ये तो जादू का चूल्हा है। न माचिस, न आग, न धुआँ, न आँसू। मुफ्त में खाना पकाओ। इसमें और क्या-क्या पका सकते हैं सरला?’

सरला ने बताया- ‘इसमें बहुत सी चीजें उबाली, भूनी और पकाई जा सकती है।’ जैसे- दालें, खड़ा अनाज, अंडा, बेसन आदि।

रामलाल ने पूछा- ‘ये कुकर कहाँ मिलता है?’

सरला ने जवाब दिया- ‘यह खादी ग्रामोद्योग और ऊर्जा

विकास निगम की दुकानों में आसानी से मिल जाता है। इसे खरीदने के लिए सरकार छूट भी देती है।'

रामलाल बोला- 'तू अभी चलकर मुझे भी एक कुकर दिलवा दे।'

सरला बोली- 'मैं गर्मा-गर्म पूड़ियाँ तलती हूँ। पहले तुम सोलर कुकर का स्वादिष्ट और पौष्टिक खाना खा लो। उसके बाद चलेंगे। शुभ काम में कैसी देरी।'

गणित

सीखिए - तीन अंकों की संख्या में भाग देना

- जिस संख्या से भाग दिया जाता है उसे भाजक कहते हैं।
- जिस संख्या में भाग दिया जाता है उसे भाज्य कहा जाता है।
- किसी संख्या में भाग देने पर जो परिणाम मिलता है उसे भाग-फल कहते हैं।
- भाग देने के बाद जो संख्या बच जाती है उसे शेष फल कहते हैं।

उदाहरण -

```
             1 4 1 ← भागफल
            ______
भाजक → 3) 4 2 4 ← भाज्य
          - 3
          ____
            1 2
            1 2
            ______
            0 0 4
              - 3
            ______
                1 ← शेषफल
```

संकेत:	424 में 3 का भाग देने पर 424 भाज्य, 3 भाजक व 141 भागफल तथा 1 शेषफल प्राप्त होगा।

सम-विषम संख्याएं जानिए -

- किसी संख्या/वस्तु की दो-दो की जोड़ियाँ बनाने पर पूरी-पूरी जोड़ियाँ बन जाएँ और कुछ भी शेष न बचे उसे सम संख्या कहते हैं।
- जिन संख्याओं की दो-दो की जोड़ियाँ नहीं बनती और एक शेष बच जाता है उसे विषम संख्या कहते हैं।
- किसी संख्या में दो का भाग देकर सम-विषम संख्या मालूम की जा सकती है।

उदाहरण –

2)4(2 4 ×	2)16(8 16 ××	2)103(51 10 ××3 1

- 4 और 16 सम संख्या हैं और 103 विषम संख्या है।

अभ्यास

1. कठिन शब्दों के अर्थ जानिए -

शब्द		अर्थ
ऊर्जा	-	ताकत
आश्चर्य	-	अचरज
पौष्टिक	-	ताकतवर भोजन
ग्रामोद्योग	-	गाँवों में चलने वाले छोटे उद्योग

2. पढ़िए, जानिए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

सौर ऊर्जा से खाना पकाने में ईंधन, पैसा और समय की बचत होती है। सोलर कुकर में खाना पकाना किसी अन्य साधन की तुलना में सुरक्षित होता है। सौर ऊर्जा से घर-बाहर रोशनी की जा सकती है। इससे मोटर साइकिल, कारें और पंखे चलाए जा सकते हैं। इससे गीजर (पानी गरम करने का यंत्र) और पानी की मोटर भी चलाई जा सकती है।

सोलर कुकर में निम्नलिखित भोजन तैयार कर सकते हैं-

- दाल, चावल, खिचड़ी बनाना।
- चना, मूँग, अंकुरित अनाज, दलिया, राजमा, अंडे, चवला, आलू आदि उबालना।
- सब्जी, दाल आदि को छौंकने के बाद इसमें पकाना।
- रवा, बेसन, मूंगफली के दाने, दलिया, भुट्टे आदि को भूनना।

- खमण, इडली, ढोकला, बिस्किट, बाटी आदि बनाना।
- इसमें मांसाहारी व्यंजन भी पकाए जा सकते हैं।

प्र.1. सौर ऊर्जा से खाना बनाने में किस चीज की बचत होती है?

....

प्र.2. सोलर कुकर में क्या-क्या बनाया जा सकता है? (किन्हीं चार चीजों के नाम लिखिए)

....

3. चित्र देखकर 3 वाक्य लिखिए -

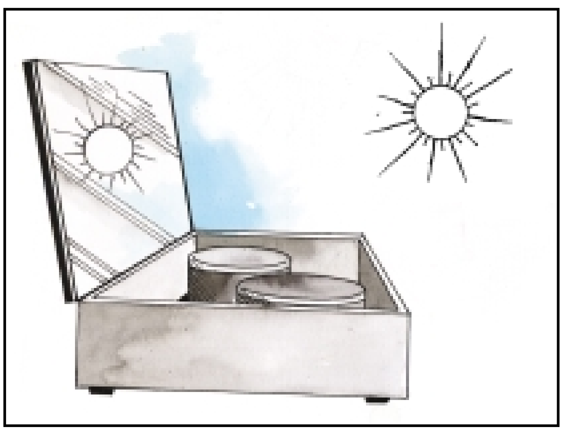

....

....

....

....

....

4. भाग के सवाल हल कीजिए -

4)815

9)639

5. लिखिए -

9, 16, 25, 32, 36, 72, 95, 105 आदि संख्याओं में से सम संख्याएँ और विषम संख्याएँ छाँटकर लिखिए -

सम संख्याएँ ....

विषम संख्याएँ ....

प्रश्न 1. किसान मोतीलाल के पास 135 बीघा जमीन है। उसके 2 बेटे और 1 बेटी है। बँटवारा होने पर हरेक को कितनी जमीन मिलेगी?

प्रश्न 2. मदनलाल के पास 920 रुपये हैं। उसे अपने दोनों बेटों में बराबर-बराबर बाँटना हो तो उसके हरेक बेटे को कितने रुपये मिलेंगे?

गतिविधि -

- स्वयंसेवक ऊर्जा संकट, ऊर्जा की बचत व नए साधनों के बारे में बताएं।
- ऊर्जा विकास निगम या खादी ग्रामोद्योग से किसी अधिकारी को बुलवाकर शिक्षार्थियों से चर्चा करवाएँ।
- आपने अपने आसपास कौन-कौन-सी नई तकनीक की चीजें देखी हैं? उनसे होने वाले फायदे या नुकसान पर चर्चा करें।

पाठ 8

दो हाथ धुआं

कृष्णदेव	तेनालीराम	मंत्री	धुआं	सिद्ध	धूपबत्ती	शर्म

राजा कृष्णदेव राय का दरबार लगा हुआ था। वे तेनालीराम की चतुराई की तारीफ कर रहे थे। सारे दरबारी तेनालीराम से जलते थे। इस बात पर एक मंत्री ने कहा– 'महाराज, आपके दरबार में चतुर लोगों की कमी नहीं है। मौका दीजिए तो हम लोग भी अपनी चतुराई सिद्ध कर सकते हैं।'

राजा ने कहा– 'ठीक है, आज आप लोगों को अपनी चतुराई सिद्ध करने का मौका मिलेगा।'

दरबारी बहुत खुश हुए। राजा ने कहा– 'मुझे उस कोने में जल रही धूपबत्ती का दो हाथ धुआं चाहिए। जो व्यक्ति धुआं लाकर देगा, उसे मैं तेनालीराम से भी चतुर समझूंगा।'

राजा का प्रश्न सुनकर सारे दरबारी चकित हो गए। धुआं कैसे लाया जाए? किसी की समझ में नहीं आया। कुछ दरबारियों ने हाथ से धुआं नापकर लाने की कोशिश की। किन्तु धुआं एक हाथ ऊपर जाते ही हवा में गायब हो जाता था। शाम तक कोई भी दरबारी धुआं न ला सका। हारकर दरबारियों ने कहा– 'यदि यह काम तेनालीराम कर सके तो हम सब उसे अपने से चतुर मान लेंगे।'

राजा ने तेनालीराम से पूछा– 'क्यों तेनालीराम, यह काम कर सकोगे?'

तेनालीराम ने कहा- 'कोशिश करता हूँ, महाराज।' फिर सेवक को बुलाकर उसके कान में कुछ कहा। सेवक कांच की दो हाथ लम्बी एक नली लेकर आया। तेनालीराम ने नली का मुंह धूपबत्ती से उठते धुएं पर रख दिया। धुआं नली में भरने लगा। कुछ ही देर में पूरी नली धुएं से भर गई।

तेनालीराम ने उस नली का मुंह बंद कर दिया। फिर नली देते हुए कहा- 'लीजिए महाराज, ठीक दो हाथ धुआं है यह।'

राजा के चेहरे पर मुस्कान आ गई। गले से हीरों का हार उतारकर तेनालीराम को दे दिया। बोले- 'सचमुच, तुम सबसे चतुर हो तेनालीराम।'

दरबारियों के सिर शर्म से झुक गए।

सीखिए - क्षेत्रफल निकालना

कोई वस्तु, आकृति या खेत जितनी जगह घेरता है उसे उस वस्तु, आकृति या खेत का क्षेत्रफल कहते हैं। क्षेत्रफल निकालने के लिए उस वस्तु की लंबाई में चौड़ाई का गुणा किया जाता है। क्षेत्रफल हमेशा वर्ग में लिखा जाता है।

उदाहरण – जमीन के एक प्लाट की लंबाई 30 फुट और चौड़ाई 20 फुट है तो उसका क्षेत्रफल निम्नलिखित होगा –

लंबाई 30 फुट

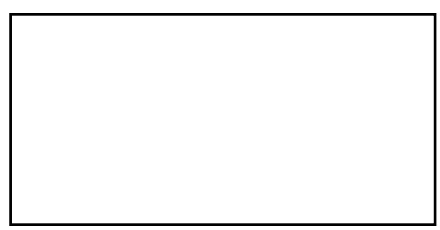

चौड़ाई 20 फुट

लंबाई × चौड़ाई = क्षेत्रफल

30 × 20 = 600 वर्गफुट

प्लाट का क्षेत्रफल 600 वर्गफुट है।

अभ्यास

1. जानिए

शब्द		अर्थ
तारीफ करना	–	बड़ाई, प्रशंसा करना
सिद्ध करना	–	साबित करना, दिखा देना
चकित होना	–	अचरज करना

2. पढ़िए और पहेलियाँ बूझिए-

- एक जानवर ऐसा है, ...
  दुम से पानी पीता है।
- एक पड़ी, एक खड़ी, ...
  एक छमाछम नाच रही।
- सफेद खेत, काले बीज, ...
  बोने वाले गाएं गीत।

3. चित्र देखकर अधूरी कहानी पूरी कर लिखिए -

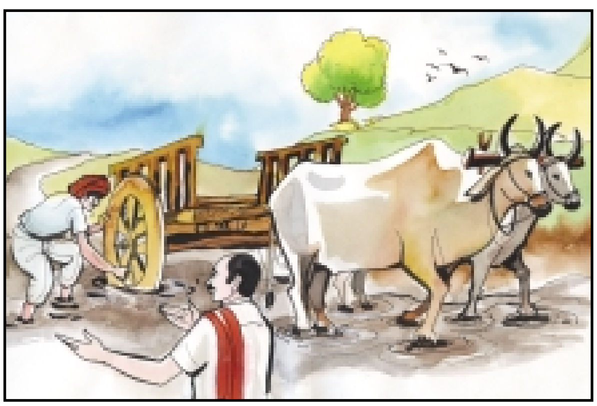

एक गाड़ीवान था। वह बाजार से लौट रहा था। रास्ते में एक नाला पड़ा। नाले में कीचड़ था। कीचड़ में उसकी गाड़ी फँस गई। वह गाड़ी निकालने की कोशिश करने लगा।

....

....

....

....

....

4. क्षेत्रफल बताइए -

1. एक किताब 12 इंच लंबी और 6 इंच चौड़ी है। उसका क्षेत्रफल बताइए।

2. एक प्लाट 17 मीटर लंबा और 7 मीटर चौड़ा है। बताइए उसका क्षेत्रफल कितना है?

3. श्यामलाल के खेत की लंबाई 515 मीटर और चौड़ाई 8 मीटर है। बताओ खेत का क्षेत्रफल कितना होगा?

गतिविधि -

- कोई कहानी या पहेलियाँ जो आपको याद हों तो सुनाइए।
- शिक्षार्थियों को कहानी, पहेलियाँ या चुटकुले सुनाने को कहें।

पहेलियों के उत्तर – चिमनी, पूरी/पूड़ी, किताब

जांच पत्र - 8

1. पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

ऊर्जा निश्चय आश्चर्य स्वादिष्ट ग्रामोद्योग

देश के कानून में महिला-पुरुष को बराबरी का दर्जा दिया गया है। महिलाएँ अब किसी मामले में पीछे नहीं हैं। पढ़-लिखकर वे पुलिस, जज, डाक्टर, वकील, इंजीनियर आदि बन रही हैं। देश के विकास में मदद कर रही हैं। परंतु कुछ लोगों की सोच आज भी पुरानी है। वे आज भी लड़कियों और लड़कों में भेदभाव करते हैं। क्या यह सही है?

प्र.1. किसने महिला-पुरुष को बराबरी का दर्जा दिया है?

....

प्र.2. लड़कियाँ पढ़-लिखकर क्या-क्या कर रही हैं?

....

2. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

प्र.1. महिलाओं को समान काम के लिए समान मजदूरी दिलाने के लिए क्या किया गया है?

....

....

प्र.2. परिवार में अधिक बच्चे होने से क्या होता है?

....

प्र.3. सोलर कुकर में खाना किससे पकता है?

....

3. चित्र देखकर तीन वाक्य लिखिए -

....

....

....

....

....

....

4. सवाल हल कीजिए -

1. मोहनलाल की दुकान पर गेहूं 720 किलोग्राम, चना 262 किलोग्राम और चावल 159 किलोग्राम है। बताइए उसकी दुकान में कुल कितना अनाज है? उसने 250 किलो गेहूं बेच दिया तो उसकी दुकान में कितना अनाज शेष रहा?

2. एक क्विंटल गेहूं की कीमत 825 रुपये है। ममता को 8 क्विंटल गेहूँ खरीदना है तो उसे कितने रुपए देने पड़ेंगे?

3. हीरालाल किसान के पास 455 एकड़ जमीन है। उसके 5 बेटों में जमीन का बँटवारा होने पर हर बेटे को कितनी जमीन मिलेगी?

4. नीचे दी गई संख्याओं में से सम और विषम संख्याएँ छाँटकर लिखिए-

3, 10, 25, 39, 45, 92, 228, 333, 826, 937

सम संख्या	विषम संख्या
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

पाठ 9

तरक्की की राह

समझदार	व्यवहार	हस्तकला	प्रदर्शनी	तरक्की

बिरजू के माता-पिता बचपन में ही गुजर गए थे। घर में केवल दादी थी। वह बांस से टोकनी और सुपड़े बनाती थी। बिरजू भी बांस का सामान बनाना सीख गया था। बिरजू जब 12 साल का हुआ, उसकी दादी की मृत्यु हो गई। छोटा-सा बच्चा कहां जाए? तरस खाकर उसके मामा अपने साथ उसे शहर ले गए। 4-5 साल ऐसे ही गुजर गए।

बिरजू अब बड़ा और समझदार हो गया था। एक दिन वह हस्तकला प्रदर्शनी देखने गया। वहां उसने बांस के लैंप, फूलदान,

ट्रे आदि चीजें देखी। ये चीजें वहाँ नए रूप और ऊंचे दामों में बिक रही थीं। अचानक बिरजू को गांव की याद आ गई।

वह किसी पर बोझ नहीं बनना चाहता था। वह वापस अपने गांव आ गया। बांस खरीदकर लाया। नई-नई चीजें बनाई। सुंदर सामान हाथोंहाथ बिकने लगा।

एक दिन बिरजू अपने खेत पर गया। वहां जमीन बंजर पड़ी थी। पानी भी नहीं था। उसने खेत में कुछ बांस के पौधे लगाए। नाले से सींच-सींच कर पौधे बड़े किए। कुछ लोगों ने टोका भी- 'अब बांस का जमाना गया। फसल बोओ और पैसा कमाओ।'

बिरजू अपनी धुन का पक्का था। वह बांस की खेती के काम में लगा रहा। बारिश आई तो बोरिंग भी चालू हो गया। बांस के कारण जमीन में 4 गुना ज्यादा पानी जाने लगा। अब बोरिंग सालभर चलता था। बांस के पेड़ बड़े हो गए थे। अब बिरजू को बांस नहीं खरीदना पड़ता था। उसे अधिक मुनाफा होने लगा। उसने गांव के लड़कों को भी बांस का काम सिखाया। गांव का सामान दूर-दूर तक जाने लगा। गांव में रोजगार भी बढ़ने लगा। अब गांव को तरक्की की राह मिल गई।

कैलेण्डर देखना सीखिए -

स्वयंसेवक कैलेण्डर की मदद से शिक्षार्थियों को तारीख व वार देखना सिखाएं।

महीना, जून 2010						
रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

ऊपर सन् 2010, जून महीने का कैलेण्डर दिया गया है। कैलेण्डर से हमें पता लगता है कि आज कौन-सी तारीख या कौन-सा वार है। किस तारीख को कौन-सा वार आएगा या किस वार को कौन-सी तारीख होगी। जैसे- जून महीने की एक तारीख को कौन सा वार है- यह जानने के लिए हमें कैलेण्डर में जून माह देखना होगा। ऊपर दिया गया कैलेण्डर देखें तो पता चलेगा कि एक तारीख को मंगलवार होगा। इस तरह हम देख सकते हैं कि महीने के पहले गुरुवार को कौन-सी तारीख होगी। पहले गुरुवार को 3 तारीख होगी।

एक साल या वर्ष में 12 महीने या माह होते हैं। 12 माह के बाद नया साल शुरू हो जाता है। इसलिए हर साल नए कैलेण्डर का उपयोग करना होता है। नया साल जनवरी माह से शुरू होता है।

एक सप्ताह में सात दिन होते हैं। इसलिए वार भी सात होते हैं।

वारों के नाम
रविवार
सोमवार
मंगलवार
बुधवार
गुरुवार
शुक्रवार
शनिवार

अंग्रेजी महीनों के नाम एवं दिनों की संख्या			
जनवरी	31	जुलाई	31
फरवरी	28	अगस्त	31
मार्च	31	सितंबर	30
अप्रैल	30	अक्टूबर	31
मई	31	नवंबर	30
जून	30	दिसंबर	31

जानिए -

365 दिन	=	एक साल
12 माह/महीने	=	एक साल
30 दिन	=	एक महीना
7 दिन	=	एक सप्ताह

साधारण रूप से एक माह में 30 दिन होते हैं। परंतु अंग्रेजी महीनों में कुछ महीने 30 दिनों के, कुछ महीने 31 दिनों के और फरवरी माह 28 दिन का होता है। हर चौथे साल फरवरी माह 29 दिन का होता है।

नीचे वर्ष 2010 का कैलेण्डर दिया गया है –

जनवरी 2010

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

फरवरी 2010

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28						

मार्च 2010

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

अप्रैल 2010

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

मई 2010

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30	31					

जून 2010

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

जुलाई 2010

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

अगस्त 2010

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

सितंबर 2010

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

अक्टूबर 2010

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

नवंबर 2010

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

दिसंबर 2010

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

दिए गए कैलेण्डर को देखकर आप जान सकते हैं कि किस माह में कितने दिन होंगे और किस तारीख को कौन-सा वार पड़ेगा।

अभ्यास

1. पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

कोई भी व्यक्ति अपने हुनर से आमदनी बढ़ा सकता है। हुनर से पहचान भी मिलती है। कोई बुनाई करता है तो कोई बढ़ई का काम करता है। रोजगार अपना हो तो काम करने में ज्यादा मजा आता है। कई लोगों के पास हुनर होता है पर धंधा चालू करने के लिए पूंजी नहीं होती। सरकार उनकी मदद करती है। शासकीय योजनाओं में उन्हें धंधे के लिए ऋण मिलता है। जिसे किश्तों में जमा करना होता है। स्वरोजगार का मंत्र है- जितनी मेहनत, उतना पैसा। अधिक मेहनत करोगे तो अधिक कमाई होगी। कहते हैं- मेहनत सफलता की सीढ़ी है।

प्र.1. काम करने में मजा कब आता है?

....

प्र.2. धंधा चालू करने में कौन मदद करता है?

....

प्र.3. स्वरोजगार का मंत्र क्या है?

....

2. खाली स्थानों में सही शब्द लिखिए -

- बिरजू ने बांस का काम .... से सीखा। (दीदी/दादी)
- बिरजू .... खरीदकर लाया। (घास/बांस)
- बांस की खेती से मुनाफा .... गया। (चढ़/बढ़)
- उसने गाँव के लड़कों को बांस का .... सिखाया। (काम/नाम)

3. आप जो व्यवसाय करना चाहते हैं उसके बारे में चार वाक्य लिखिए -

....

....

....

....

4. पिछले पेज पर दिया गया कैलेण्डर देखकर लिखिए -

प्र.1. यह कौन से सन् या वर्ष का कैलेण्डर है?

....

प्र.2. सप्ताह में कितने दिन होते हैं?

....

प्र.3. वारों के नाम लिखिए

....

....

5. कैलेण्डर देखकर नीचे दिए गए खाली स्थान भरिए -

- जून माह में .... दिन होते हैं।
- फरवरी 2010 में .... दिन थे।
- दिसंबर माह .... दिन का है।
- जून माह की 15 तारीख को .... वार था।
- नवंबर माह में .... तारीख को पहला बुधवार होगा।

गतिविधि -

- स्वयंसेवक शिक्षार्थियों से गाँव में होने वाले पुश्तैनी व्यवसायों की सूची बनवाएं।
- स्वयंसेवक कैलेण्डर दिखाकर शिक्षार्थियों से पूछें -

1. होली का त्यौहार किस माह में आएगा?
2. गाँव में हाट कौन से वार को लगता है?
3. दिसंबर माह में हाट कौन-कौन सी तारीख को लगेगा?
4. मनरेगा में मजदूरी किस-किस तारीख को मिलती है?

पाठ 10

करनी का फल

तंबाकू	पत्थर	डाक्टर	गंभीर	दोस्त	पाऊच

रामलाल खेती करता था। उसे एक बुरी लत थी। वह सारा दिन तंबाकू के पाऊच खाता था। उसकी माँ से लेकर बेटी तक सभी उसे मना करते। पर वह एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देता। कभी-कभी तो गुस्से में घर से निकल जाता।

एक दिन खेत से लौटते समय रामलाल पत्थर से टकरा कर गिर पड़ा। उसके पैर की हड्डी टूट गई। डाक्टर ने उसे दो महीने चलने-फिरने से मना कर दिया। बिना तंबाकू के वह रह नहीं पाता। उसने अपने बेटे शरद से पाऊच मंगवाना शुरू किया।

एक दिन दुकान पर शरद का दोस्त जीतू बैठा था। वह पाऊच खोलकर खा रहा था। शरद चौंक कर बोला- 'क्या तू भी गुटखा खाता है?'

जीतू बोला- 'एक बार खाकर देख। कितना मजा आता है।' उसने शरद के हाथ में पाऊच रख दिया। शरद ने खाया। उसे बड़ा अच्छा लगा। अब तो वह रोज खुद के लिए भी पाऊच लाने लगा।

ऐसे ही 2-3 साल निकल गए। पाऊच खरीदने के लिए शरद घर में चोरी करने लगा। झूठ बोलना भी सीख गया।

एक बार गांव के स्कूल में डाक्टर बच्चों की जांच करने आए। उन्होंने सबको अपना पूरा मुंह खोलने का कहा। फिर अपने हाथ की चारों अंगुलियां मुंह में डालने का कहा।

शरद और जीतू को छोड़कर सभी की अंगुलियां मुंह के अंदर चली गईं। डाक्टर को शंका हुई। उन्होंने शरद और जीतू के दांतों व मुंह की जांच की। तुरंत शरद और जीतू के घरवालों को बुलवाया।

दोनों के पिता आए। डाक्टर ने उनसे पूछा- 'आपके बच्चे इतनी सी उम्र में गुटखा खाते हैं। क्या आपको पता है?'

वे चौंक कर बोले- 'नहीं तो!'

डाक्टर ने कहा- 'इनकी शहर में जांच करवाना होगी। हो सकता है, ये कोई बड़ी बीमारी की शुरुआत हो।'

सुनकर दोनों बहुत घबरा गए।

डाक्टर फिर बोले- 'घबराइए नहीं। अभी हालत ज्यादा नहीं बिगड़ी है। इनका इलाज हो सकता है।'

गणित

सीखिए - साधारण ब्याज निकालना

निर्देश : स्वयंसेवक शिक्षार्थियों को ब्याज निकालने का सूत्र एवं साधारण ब्याज निकालने की विधि समझाएं।

गायत्री ने मिर्ची के रोजगार के लिए स्व सहायता समूह से 5000 रुपए का कर्ज लिया। स्व सहायता समूह ने 5 रुपये सैकड़ा (प्रतिशत) सालाना ब्याज की दर पर कर्ज दिया। एक साल में गायत्री को कितना ब्याज देना पड़ेगा?

ब्याज निकालने का सूत्र इस प्रकार है।

$$\text{सूत्र - ब्याज} = \frac{\text{मूलधन} \times \text{ब्याज की दर} \times \text{समय}}{100}$$

- जितने रुपये कर्ज लिया है वह मूलधन कहलाता है।
- गायत्री ने 5000 रुपये कर्ज लिया। इसलिए 5000 रु. उसका मूलधन है। ब्याज की दर 5 रुपये सैकड़ा है।

ब्याज निकालने की विधि :

मूलधन × ब्याज की दर × समय

$$\frac{50\not{0}\not{0} \times 5 \times 1 \text{ साल}}{1\not{0}\not{0}} = 250 \text{ रु. ब्याज हुआ।}$$

गायत्री को एक साल में 250 रुपये ब्याज देना होगा।

अभ्यास

1. पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

पालदा में नई शराब की दुकान खुलने वाली थी। दुकान बीच बाजार में थी। बच्चे उसी रास्ते से स्कूल जाते। गाँव की महिलाओं ने आपस में बात की। दुकान का विरोध करने का तय किया।

महिलाओं ने पंचायत में आवेदन दिया। शराब की दुकान बीच बाजार में न खोली जाए। आवेदन पर सभी महिलाओं ने हस्ताक्षर किए। दुकान के शुभारंभ का दिन आया। सब महिलाएँ इकट्ठी हुईं। हाथ में तख्तियाँ लेकर रास्ते में बैठ गईं। अखबार वाले आए। महिलाओं की ताकत की खबर बनाई। टी.वी. पर भी खबर दिखाई। आखिर दुकान नहीं खुल पाई।

प्र.1. शराब की दुकान किस जगह खुल रही थी?

....

प्र.2. महिलाओं ने आवेदन कहां दिया?

....

प्र.3. महिलाओं की ताकत से क्या हुआ?

....

2. मुहावरों को पढ़िए, समझिए व अर्थ जानिए -

- एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकालना - किसी की बात पर ध्यान न देना।
- कान पर जूँ न रेंगना - किसी की बात का असर नहीं होना।
- काना फूसी करना - चोरी-चुपके बात करना।

स्वयंसेवक इसी प्रकार आँख, नाक, हाथ इत्यादि से संबंधित मुहावरे बताएं।

3. सवाल हल कीजिए -

1. गुटखे का एक पाऊच तीन रुपए में आता है। दिनेश रोज चार पाऊच खाता है। बताइए यदि वह पाऊच न खाए तो एक हफ्ते में कितने रुपए बचा लेगा?

2. सलीम ने खाद, बीज खरीदने के लिए अपने दोस्त सुरेश से 3000 रुपये उधार लिए। सुरेश को सालाना ब्याज की दर 7 रुपये प्रति सैकड़ा से एक साल में कितना ब्याज देना होगा?

3. शकीला ने अपने बच्चे के इलाज के लिए स्व सहायता समूह से 500 रुपये उधार लिए। समूह ने उसे 5 रुपये प्रति सैकड़ा सालाना ब्याज की दर पर रुपया उधार दिया। शकीला को सालभर में कितना ब्याज देना होगा?

गतिविधि -

- स्वयंसेवक शिक्षार्थियों से उनके क्षेत्र में प्रचलित मुहावरे और उनके अर्थ बताने का कहें।
- नशे के दुष्परिणामों पर चर्चा करें।
- नशे की लत से कैसे छुटकारा मिल सकता है चर्चा करें।

पाठ 11

भूल का एहसास

परिणाम	मोटर	साइकिल	चकाचौंध	सिग्नल	यातायात

रश्मि को आठवीं पास करते ही स्कूल से साइकिल मिली। वह रोज सहेलियों के साथ पांच किलोमीटर दूर स्कूल जाती। साइकिल चलाने में उसे बहुत मजा आता।

एक दिन सब सहेलियां स्कूल से घर लौट रही थीं। तभी एक बाइक वाले ने रश्मि को पीछे से टक्कर मार दी। रश्मि गिर गई। साइकिल का पहिया टेढ़ा हो गया। बाइक 15-16 साल का एक

लड़का चला रहा था। उसके पीछे दो लड़के और बैठे थे। टक्कर के बाद वे लड़के डरकर भागने लगे। रश्मि की सहेली ने झट से उसकी बाइक का नंबर देख लिया। सबने तय किया, इन लड़कों की पुलिस में शिकायत करेंगे।

रश्मि किसी तरह घर आई। पूरी घटना अपने पिताजी को बताई। पिताजी ने थाने जाकर शिकायत की।

नंबर के आधार पर पुलिस ने जानकारी निकाली। गाड़ी गांव के पटेल की थी।

पुलिस ने पटेल और तीनों लड़कों को थाने बुलवाया। रश्मि और उसके पिताजी भी गए। थाने में तीनों लड़कों के चेहरे उतरे हुए थे। पटेल के लड़के को तो रोना आ रहा था। लड़कों ने अपनी गलती कबूल ली। उनके पास लायसेंस भी नहीं था।

पटेल ने रश्मि के पिता से माफी मांगी और कहा- 'बच्चों से गलती हो गई। अब मैं इन्हें कभी चाबी नहीं दूंगा। साइकिल की मरम्मत भी करा दूंगा।'

थानेदार ने कहा- 'आप दोनों समझौता कर लेते हैं तो हम रिपोर्ट नहीं लिखेंगे। ध्यान रहे ऐसी घटना दोबारा न हो।' पटेल ने थानेदार साहब को धन्यवाद दिया। सब जाने लगे तो पटेल के लड़के ने रश्मि से भी माफी मांगी। रश्मि ने कहा- 'आज तुम्हें अपनी भूल का एहसास हो गया। आगे ऐसा न हो। हाँ, किसी दूसरे के साथ हो तो मदद करना मत भूलना।'

गणित

सीखिए - विभिन्न आकृतियों की पहचान

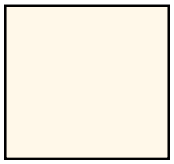

इस आकृति को हम चौकोर या चौकोन कहते हैं। जिस चौकोर आकृति की लंबाई-चौड़ाई बराबर होती है उसे वर्ग कहते हैं।

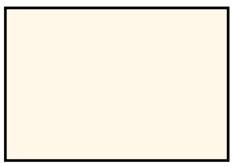

जिस चौकोर आकृति की लंबाई अधिक और चौड़ाई कम होती है, उसे आयत कहते हैं।

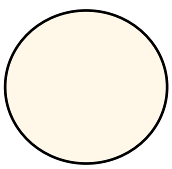

गोल आकृति को वृत्त कहते हैं।

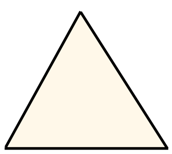

जिस आकृति की तीन भुजाएं होती हैं, उसे त्रिभुज/त्रिकोण कहते हैं।

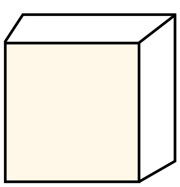

जिस आकृति की लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई बराबर होती है, उसे घन कहते हैं।

अभ्यास

1. जानिए - यातायात संकेत/चिन्ह

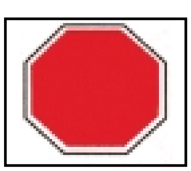

रुकिए

जाइए

पैदल यात्री के लिए

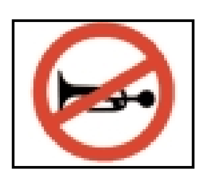

हार्न बजाना मना है।

स्कूल

प्रवेश निषेध

दायां मोड़

रुकना मना है

बायां मोड़

गति सीमा

2. पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

वाहन चालक के लिए जरूरी नियम

- वाहन के सभी जरूरी कागजात जैसे- पंजीयन, लायसेंस, बीमा आदि हमेशा साथ में रखें।
- सड़क पर लगे संकेतों व चिन्हों का पालन करें।
- तेज गति से वाहन न चलाएं।
- दो पहिया वाहन पर दो से अधिक व्यक्ति न बैठें।
- अनावश्यक रूप से हॉर्न का उपयोग न करें।
- वाहन निर्धारित स्थान पर ही पार्क करें।
- वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग न करें।
- सड़क पर हमेशा बायीं ओर ही चलें।

प्र.1. वाहन के कौन-कौन से कागजात साथ में रखना चाहिए?

....

....

प्र.2. दो पहिया वाहन पर कितने व्यक्तियों को बैठना चाहिए?

....

3. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्र.1. रश्मि को गिराकर लड़के क्यों भागे?

....

प्र.2. रश्मि की सहेली ने क्या समझदारी की?

....

प्र.3. थानेदार ने क्या समझाइश दी?

....

....

4. आपने जितने वाहन देखें हैं, उनके नाम लिखिए -

....

....

....

5. लाइन खींचकर सही नामों से आकृतियों को मिलाइए -

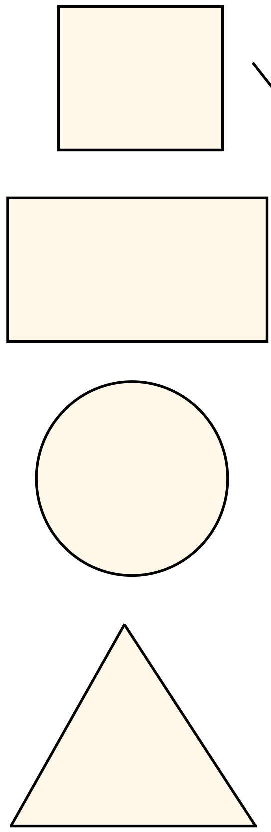

आयत

वर्ग

त्रिभुज

वृत्त

6. नीचे दिए गए चिन्हों को पहचानकर लिखिए -

....

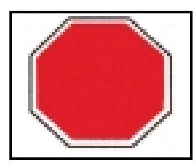 ....

....

....

गतिविधि -

- यातायात के मुख्य नियमों के बारे में चर्चा करें।
- यातायात के नियमों का पालन करना क्यों जरूरी है।

इन्हें बचाएँ ये अनमोल हैं

नर्मदा	भक्त	दृश्य	वास्तुकला	मूर्तियाँ	संस्कृति	ऐतिहासिक

सखी स्वयं सहायता समूह की बैठक थी। अध्यक्ष मोना ने बताया – 'इस साल समूह को अच्छा लाभ हुआ है। हर सदस्य को दो सौ रुपए लाभांश के मिलेंगे?'

सरिता ने कहा – 'इन पैसों को हम यूं ही खर्च नहीं करेंगे। क्यों न हम सब मांडव घूमने चलें?'

सबको सरिता की बात पसंद आई। अगले रविवार को समूह की महिलाएँ मांडव देखने गईं।

एक गाइड ने बताया– 'यह रानी रूपमती महल है। यह सदियों पुराना है। बाज बहादुर की रानी रूपमती नर्मदा की परम भक्त थी। वह यहीं से रोज पवित्र नर्मदा के दर्शन करती थी। यहाँ से आप भी नर्मदा के दर्शन कर सकते हैं।' छतरी से सभी ने नर्मदा को देखा।

सभी महिलाओं को बहुत मजा आ रहा था। जहाज महल वास्तुकला का बेजोड़ नमूना है। उसे देखते समय राधा की नजर एक युवक पर पड़ी। वह युवक दीवार पर पत्थर से कुछ खोद रहा था।

राधा ने पूछा– 'यह क्या कर रहे हो भाई?'

युवक ने कहा– 'देखती नहीं, मैं अपना नाम खोद रहा हूँ।'

राधा ने कहा– 'ये इमारतें देश की अनमोल धरोहर हैं। इन्हें

नुकसान पहुँचाना ठीक नहीं। यदि लोग इसी तरह करते रहे तो क्या आगे ये देखने लायक रह जाएंगी। इनकी सुन्दरता नष्ट हो जाएगी। अच्छा बताओ, क्या तुम ऐसी इमारत बना सकते हो?'

युवक घबराकर बोला- 'बिल्कुल नहीं, मैं भला कैसे बना सकता हूँ?'

राधा ने समझाते हुए कहा- 'जिस चीज को आप बना नहीं सकते, उसे बिगाड़ने का भी आपको क्या अधिकार है? मैंने यहां कई नाम खुदे देखे हैं। कहीं किसी ने दिल का चित्र बनाया है। कहीं कुछ, तो कहीं कुछ। लोग इन्हें खूब नुकसान पहुंचाते हैं।'

उनकी बातें सुनकर कुछ और लोग भी वहां आ गए।

मोना ने कहा– 'कई यात्री पालीथिन की थैलियाँ, छिलके, फटे पाऊच आदि भी फेंक जाते हैं।'

गाइड बोला– 'कुछ लोग तो इमारतों के पत्थर, मूर्तियों आदि को भी ले जाते हैं। मांडव जैसी अनेक इमारतें हमारे देश में हैं। इनकी सुरक्षा करना हमारा फर्ज है। इन्हें गंदा नहीं करना चाहिए। ये हमारी संस्कृति की पहचान हैं। अनमोल धरोहर हैं।'

मांडव की याद मन में लिए सब महिलाएँ वापस लौट आईं।

गणित

सीखिए - भिन्न में लिखना व पढ़ना

किसी वस्तु के हिस्से किए जाते हैं तो उसे भिन्न में लिखा जाता है।

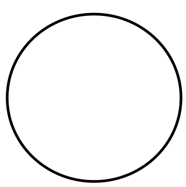

एक – 1

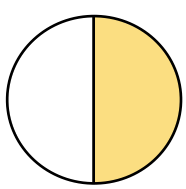

आधा – $\frac{1}{2}$ रंगीन हिस्से को एक बटे दो भी कहते हैं।

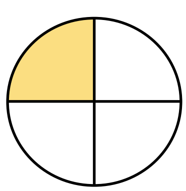

पाव/एक चौथाई – $\frac{1}{4}$ रंगीन हिस्से को एक बटे चार भी कहते हैं।

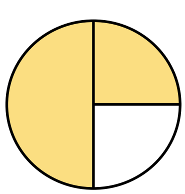

तीन चौथाई – $\frac{3}{4}$ रंगीन हिस्से को तीन बटे चार कहते हैं।

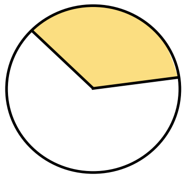

एक तिहाई – $\frac{1}{3}$ रंगीन हिस्से को एक बटे तीन कहते हैं।

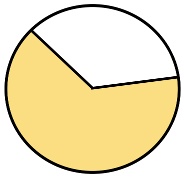

दो तिहाई – $\frac{2}{3}$ रंगीन हिस्से को दो बटे तीन कहते हैं।

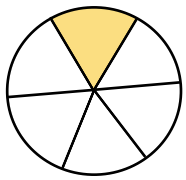

छठा हिस्सा – $\frac{1}{6}$ रंगीन हिस्से को 1 बटा छह कहते हैं।

भिन्न में ऊपर के हिस्से को अंश और नीचे के हिस्से को हर कहते हैं। जैसे- $\frac{2}{3}$ में 2 अंश है और 3 हर है।

अभ्यास

1. जानिए -

शब्द		अर्थ
वास्तुकला	–	भवन बनाने की कला
धरोहर	–	अमानत
ऐतिहासिक	–	इतिहास से जुड़ी
बेजोड़	–	जिसकी बराबरी न हो
सदियों से	–	सैकड़ों सालों से

2. पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

मांडव में अनेक प्राचीन स्मारक और प्राकृतिक स्थल हैं।

- यहाँ का जहाज महल पानी में खड़े जहाज की तरह दिखता है।
- हिंडोला महल झूले के आकार का है। इसकी दीवारें ढलवां हैं।

- रूपमती महल सबसे अधिक ऊंचाई पर है। यहां से नर्मदा नदी एक चमकती धारा के समान दिखाई देती है।
- कांकड़ा खोह गहरी खाई है। यह मांडव की सीमा बनाती है।
- नीलकंठ मंदिर प्राकृतिक स्थल भी है।
- बाजबहादुर का महल एक विशाल महल है। इसके पास ही रेवा कुंड है।
- बस स्टैण्ड के पास ही विशाल जामा मस्जिद है। इसके ठीक सामने अशर्फी महल है।

प्र.1. जहाज महल कैसा दिखता है?

....

प्र.2. बाजबहादुर के महल के पास कौन-सा कुंड है?

....

प्र.3. जामा मस्जिद के सामने क्या है?

....

3. पाठ के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

प्र.1. महिलाओं ने लाभ के पैसों से क्या किया?

....

....

प्र.2. पुरानी इमारतों की सुरक्षा क्यों करनी चाहिए?

....

4. बताइए और लिखिए -

- **एक रोटी लेकर दो बराबर भागों में बांटिए और भिन्न में लिखिए इसे क्या कहेंगे।**

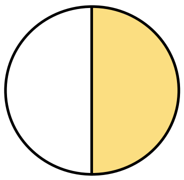

....

- **रोटी को चार बराबर भागों में बांटिए और 1 हिस्से को क्या कहेंगे लिखिए -** ....
- **एक चौकोर कागज के चार बराबर हिस्से कीजिए और लिखिए तीन हिस्सों को क्या कहेंगे -** ....
- **एक रोटी के तीन बराबर हिस्से कीजिए और लिखिए दो हिस्से को क्या कहेंगे -** ....
- **एक रोटी के तीन बराबर हिस्से कीजिए और लिखिए एक हिस्से को क्या कहेंगे -** ....

गतिविधि -

चर्चा कीजिए -

- आपने कौन-कौन से प्रसिद्ध स्थान देखे हैं। उनके बारे में बताइए।
- आपके गाँव/शहर के आसपास कौन-कौन से दर्शनीय स्थान है और वे क्यों प्रसिद्ध हैं-
- दर्शनीय व ऐतिहासिक स्थानों की सुरक्षा क्यों जरूरी है।

T - 9

जांच पत्र - 9

1. लिखिए -

नाम .... पिता का नाम ....

उम्र .... स्वयंसेवक का नाम ....

गाँव का नाम .... जिला ....

2. कोई पाँच अनाजों के नाम लिखिए -

....

....

....

3. घेरे में दिए गए शब्दों से दो वाक्य बनाइए -

जमीन रोटी

ज्वार मिट्टी चिट्ठी

माँ बच्चा स्कूल

....

....

....

....

4. किसी भजन या गीत की दो लाइनें लिखिए -

....

....

5. नीचे दिए गए पोस्टर को देखकर 3 वाक्य लिखिए -

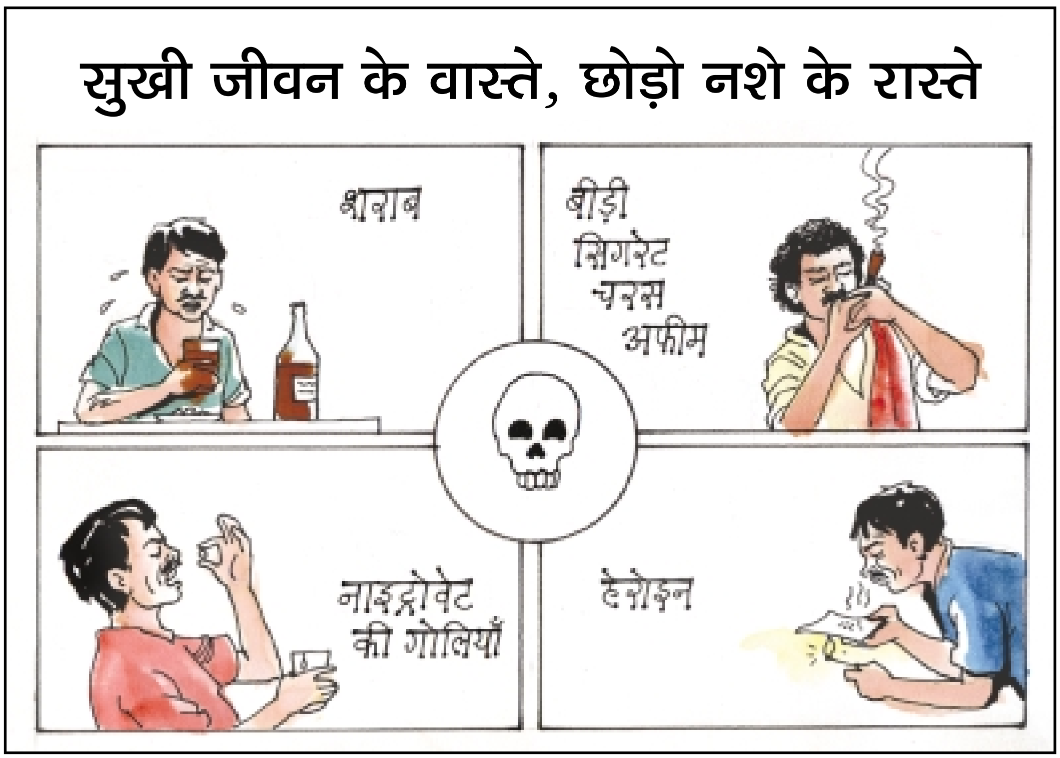

....

....

....

....

....

6. अपने भाई या बहन को पत्र लिखकर अपने परिवार में होने वाली शादी का निमंत्रण दें।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

पूरा पता लिखिए

....

....

....

....

7. पढ़िए -

व्यवहार प्रदर्शनी डाक्टर हड्डी मिट्टी
हस्तकला दर्शनीय ऐतिहासिक

बच्चे अक्सर अपने बड़ों की नकल करते हैं। माता-पिता व घर के बड़ों की जिम्मेदारी है कि वे गलत व्यवहार न करें। लोग बच्चों को नासमझ समझते हैं। पर बच्चे घर में बड़ों से ही भाषा, व्यवहार, आदतें सीखते हैं। घर के बड़े गाली-गलौच करते हैं तो बच्चा भी वही सीखता है। इसी तरह नशे की आदत भी बच्चे प्रायः अपने माता-पिता से ही सीखते हैं। घर ही बच्चे की पहली पाठशाला है। घर का वातावरण अच्छा होगा तो बच्चा भी अच्छा इंसान बनेगा।

8. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

प्र.1. बच्चे किसकी नकल करते हैं?

....

प्र.2. बच्चे की पहली पाठशाला क्या है?

....

प्र.3. बच्चे को अच्छा इन्सान बनाने के लिए क्या करना जरूरी है?

....

....

9. नीचे दिए गए मुहावरों को पढ़िए, उनके अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए -

एक कान से सुनना व दूसरे से निकाल देना ....

....

....

कान का कच्चा होना ....

....

....

10. दिसंबर 2010 का कैलेण्डर देखकर बताइए -

दिसंबर 2010						
रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

- **दिसंबर माह कितने दिन का है** ....
- **1 तारीख को कौन-सा वार है** ....
- **पहले व दूसरे रविवार को कौन-सी तारीख है** ....

11. रामलाल ने स्व सहायता समूह से खाद-बीज के लिए 800 रुपये कर्ज लिया। इस कर्ज पर उसे 7 रुपये सैकड़ा सालाना ब्याज देना होगा। बताइए उसे एक साल में कितना ब्याज देना होगा?

12. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर रंगीन हिस्से को भिन्न में लिखिए -

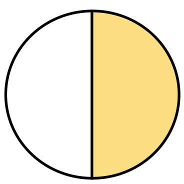 ....

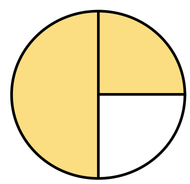 ....

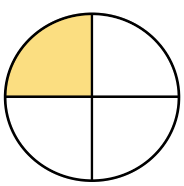 ....

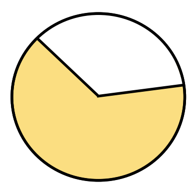 ....

13. नीचे दी गई आकृतियों को पहचान कर लिखिए - इन्हें क्या कहते हैं?

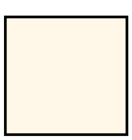 ....

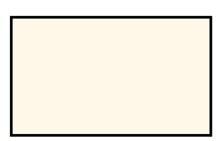 ....

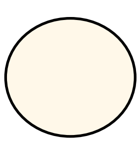 ....

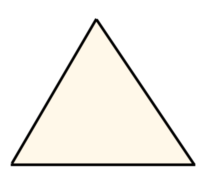 ....

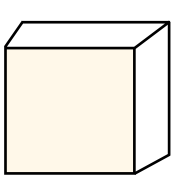 ....

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के अनुसार साक्षरता के निर्धारित मापदण्ड

पढ़ना -

- शिक्षार्थियों की रूचि के विषय पर लिखे किसी आसान पैरेग्राफ को सही तरीके से 30 शब्द प्रति मिनट की गति से बोलकर पढ़ना।
- सरल भाषा में लिखे छोटे-छोटे पैरेग्राफ को 35 शब्द प्रति मिनट की गति से चुपचाप पढ़ना।
- मार्ग संकेतों, विज्ञापनों, पोस्टरों, सरल हिदायतों तथा नवसाक्षरों के लिए छपे समाचार पत्रों आदि को समझकर पढ़ना।
- अपने कामकाज और रहन-सहन के सम्बन्ध में सरल रूप से लिखे संदेशों को समझने की योग्यता।

लिखना -

- सात शब्द प्रति मिनट की गति से समझकर नकल करना।
- पांच शब्द प्रति मिनट की गति से सुनकर लिखना (डिक्टेशन लेना)।
- ठीक-ठीक दूरी पर तथा सीधी पंक्ति में लिखना।
- शिक्षार्थियों के रोजमर्रा के प्रयोग में आने वाले फार्म भरना, छोटे-छोटे पत्र एवं आवेदन स्वयं लिखना।

गणित -

- 1 से 10,000 तक के अंकों को पढ़ना और लिखना।
- छोटे-मोटे हिसाब करना जिनमें तीन अंकों तक के जोड़, घटाव और एक अंक की संख्या से गुणा व भाग करना।
- भार, नाप-तौल, रुपए-पैसे, दूरी तथा क्षेत्रफल की मीट्रिक इकाइयों तथा समय की इकाइयों का काम चलाने लायक ज्ञान होना।
- ब्याज की साधारण जानकारी तथा उनका अपने कामकाज में प्रयोग।

साक्षर भारत

प्रकाशक

राज्य संसाधन केन्द्र, प्रौढ़ शिक्षा, भारतीय ग्रामीण महिला संघ,

महालक्ष्मीनगर, सेक्टर आर, इंदौर-452010, म.प्र. फोन- 2551917, 2574104 फैक्स- 0731-2551573

e-mail: srcmpindore@gmail.com, literacy@sify.com, web: www.srcindore.org

मुद्रक : गोयनका ऑफसेट प्रिन्टर्स प्रा. लि., इन्दौर • फोन : 2412800, 2411900